हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, शुक्रवार, 14 फरवरी 2025 | अंक 123/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

Illuminate with Love
Gift with Brilliance

Rokde® JEWELLERS

Purely Yours

CELEBRATE
MONTH OF LOVE

With Exclusive Designs
Starting from ₹ 14,999/-

T&C Apply*

LAXMINAGAR | MAHAL | ITWARI | AIRPORT | KORADI | HINGNA RD. | BHANDARA
www.rokdejeweller.com Toll Free No. 1800 268 1010

भारत खिलौने, फुटवियर विनिर्माण के लिए नई नीतियां लाएगा

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का ऐलान

नई दिल्ली.

सरकार जल्द ही भारत में खिलौनों और जूतों के विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए नई नीतियां पेश करेगी। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह बात कही है। गोयल ने कहा इस कदम का उद्देश्य देश को इन क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाना है। बुधवार को बेंगलुरु में इन्वेस्ट कर्नाटक 2025-ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट में बोलते हुए, गोयल ने खिलौना उद्योग में सरकार के प्रयासों पर भी बात कही। उन्होंने कहा, "हमारे खिलौनों का आयात घटकर 50 प्रतिशत रह गया है। हमारा निर्यात अब 5 साल पहले की तुलना में 3.5 गुना है, और हम जल्द ही खिलौनों, जूतों में विनिर्माण को और बढ़ावा देने के लिए नीतियां लेकर आएंगे, ताकि हम इन क्षेत्रों में वैश्विक चैंपियन बन सकें।" उन्होंने कहा कि आगामी नीतियां भारत में खिलौनों और जूतों के विनिर्माण के विकास को और बढ़ावा देंगी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने देश में उच्च तकनीक विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार के व्यापक प्रयासों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत करीब 2 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, साथ ही सेमीकॉन मिशन के लिए 74,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इन पहलों का उद्देश्य इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ऑटो कंपोनेंट, सेमीकंडक्टर और टेक्सटाइल जैसे उद्योगों को मजबूत करना है, जो महत्वपूर्ण रोजगार अवसर पैदा करते हैं।

हमारा ध्यान वैश्विक क्षमता केंद्रों पर: गोयल

❑ गोयल ने भारत की आर्थिक वृद्धि में कर्नाटक की महत्वपूर्ण भूमिका और विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सहयोग के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "हमारा ध्यान वैश्विक क्षमता केंद्रों पर है, जिन्हें पूरे देश में स्थापित किया जा रहा है और कर्नाटक, विशेष रूप से बेंगलुरु में बड़ी संख्या में वैश्विक क्षमता केंद्र हैं और आने वाले वर्षों में और भी कई केंद्र बनेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को दोहराया, जो 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने पर केंद्रित है।

जिला परिषद कर्मचारियों के महिला कर्मचारिओं को शामिल करें: माधुरी

नई दिल्ली.

जिला परिषद के गट 'क' और गट 'ड' के कर्मचारियों के तबादले की नीति में अविवाहित महिला कर्मचारियों को भी शामिल किया जाए, ऐसी मांग सामाजिक न्याय राज्य मंत्री माधुरी मिसाळ ने ग्राम विकास मंत्री जयकुमार गोरे से पत्र के माध्यम से की है। मंत्री जयकुमार गोरे को भेजे गए पत्र में माधुरी मिसाळ ने कहा है कि ग्राम विकास विभाग के शासन निर्णय क्रमांक शासन निर्णय के अनुसार, जिला परिषद के गट 'क' और गट 'ड' के कर्मचारियों के तबादले की नीति निर्धारित की गई है। इस नीति के प्रकरण-1 के अनुच्छेद 3 (क) में "विधवा /परित्यक्ता/ तलाकशुदा'' महिला कर्मचारियों को तबादले में छूट दी गई है। हालांकि, इसमें 40 वर्ष या उससे अधिक उम्र की अविवाहित महिला कर्मचारियों को छूट नहीं दी गई है।

जबकि ऐसी महिलाओं पर उनके बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल और सेवा की जिम्मेदारी होती है। इसलिए, उन्हें भी इस नीति में शामिल करना आवश्यक है। इस शासन निर्णय में तत्काल संशोधन कर प्रकरण-1 के अनुच्छेद 3(क) में "विधवा/ परित्यक्ता/ तलाकशुदा महिलाओं'' के बाद "40 वर्ष या उससे अधिक उम्र की अविवाहित महिला कर्मचारी'' इस प्रकार का उल्लेख किया जाए।

एचडीएफसी बैंक ने 'अनमोल सेलरी अकाउंट' लॉन्च किया

नई दिल्ली.

भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने आज साइबर फ्रॉड कवर के साथ भारत का पहला सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (पीएसयू) वेतन खाता - 'अनमोल बचत खाता' लॉन्च किया है। एचडीएफसी बैंक अपने बचत खाता उत्पाद में लगातार नवाचार कर रहा है।

विभिन्न जरूरतों वाले विभिन्न ग्राहक वर्गों - वरिष्ठ नागरिकों, कामकाजी पेशेवरों, महिलाओं को लक्षित बचत खातों के 'स्पेशल' सूट के एक हिस्से के रूप में, एचडीएफसी बैंक वरिष्ठ नागरिकों को 1.5 लाख रुपए तक का साइबर फ्रॉड कवर प्रदान करता है, जबकि पेशेवरों के लिए साइबर फ्रॉड कवर 25,000-50,000 रुपए तक होता है।

इसी तरह, 'स्पेशल गोल्ड वूमेन' खाता महिलाओं को 5 लाख रुपए तक का कैंसर कवर देता है।

साइबर धोखाधड़ी कवर- 25,000 रुपए तक के साइबर धोखाधड़ी से ग्राहकों को सुरक्षा प्रदान करता है।

पारिवारिक लाभ - 5 पारिवारिक सदस्यों तक के लिए जीरो बैलेंस सैलरी फैमिली अकाउंट और लॉकर लाभ।

बीमा कवर - ग्राहकों को ओपीडी कवरेज के साथ व्यापक स्वास्थ्य कवर 30 लाख रुपए तक की टॉप अप योजना और 15 लाख रुपए से अधिक मूल्य के जीरो कॉस्ट दुर्घटना बीमा कवर का लाभ मिलेगा। विशेष ऑफ़र - विशेष ऑफ़र के साथ मुफ़्त प्लेटिनम डेबिट कार्ड और हर साल 8 कॉम्प्लीमेंट्री डोमेस्टिक एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस।

महारत्न पीएसयू कर्मचारियों के लिए कंपनी की सीमा से ऊपर अनुपूरक / अतिरिक्त गृह ऋण। एचडीएफसी बैंक के कंट्री हेड (भुगतान, देयता उत्पाद, उपभोक्ता वित्त एवं विपणन) पराग राव ने कहा, "हमें पीएसयू कर्मचारियों के लिए देश का पहला साइबर कवर एकीकृत वेतन खाता शुरू करते हुए खुशी हो रही है। यह सुविधा विशेष रूप से प्रासंगिक है क्योंकि ग्राहकों की बैंकिंग यात्राएँ तेजी से डिजिटल होती जा रही हैं।

उन्होंने आगे कहा,"अनमोल बचत खाता' के शुभारंभ के साथ, एचडीएफसी बैंक ने ग्राहक केंद्रित नवाचारों पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। यह एक नया बचत खाता उत्पाद है, जिसमें पीएसयू कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिवार के सदस्यों के लिए कई तरह के लाभ, जैसे कि तरजीही ऋण दरें, बढ़ी हुई वेतन ओवरड्राफ्ट सीमा, स्वास्थ्य कवर शामिल हैं। बैंक ने एक ऐसा गतिशील उत्पाद पेश किया है, जो न केवल पारंपरिक बचत खाते के लाभ प्रदान करता है, बल्कि पहले वर्ष के लिए मुफ्त लॉकर लाभ, जीरो बैलेंस सैलरी अकाउंट, असीमित एटीएम लेनदेन और मुफ्त डिमांड ड्राफ्ट जैसे कई फायदे भी देता है।

कॅम्पस ने मनीष नागर में खोला नया स्टोर

नागपुर.

भारत के अग्रणी स्पोर्ट्स और एथलेज़र फुटवियर ब्रांड कॅम्पस एक्टिववियर लिमिटेड ने मनीष नागर में एक नया स्टोर खोला है। यह कदम ब्रांड की अपनी ग्राहक पहुंच बढ़ाने और बेहतर शॉपिंग अनुभव देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

825 वर्ग फीट में फैला यह स्टोर कॅम्पस के स्टाइलिश और आरामदायक फुटवियर का लेटेस्ट कलेक्शन पेश करता है, जिसमें पुरुषों और महिलाओं के लिए स्नीकर्स, परफॉर्मेंस शूज और वार्नर ब्रदर्स के लिमिटेड एडिशन डिज़ाइन शामिल हैं, जैसे बैटमैन और सुपरमैन से प्रेरित फुटवियर। लॉन्च के अवसर पर ग्राहकों को आकर्षक ऑफर मिल रहे हैं, जैसे '1 खरीदने पर 30% की छूट और 2 खरीदने पर 40फीसदी की छूट'। यह एक बेहतरीन मौका है, जहां ग्राहक कॅम्पस के ट्रेंडिंग फुटवियर को शानदार कीमत पर खरीद सकते हैं।

कॅम्पस एक्टिववियर लिमिटेड के सीईओ श्री निखिल अग्रवाल ने कहा, "नागपुर में नया स्टोर खोलना हमारे लिए ग्राहकों तक पहुंचने और उनका शॉपिंग अनुभव और बेहतर बनाने का प्रयास है। इस कदम से हम भारत में अपने ग्राहक आधार को और बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह नया स्टोर हमारे ओमनी-चैनल अनुभव को मजबूत करेगा और ग्राहकों से जुड़ने में मदद करेगा।"

नए स्टोर के उद्घाटन के साथ, कॅम्पस के देशभर में एक्सक्लूसिव रिटेल आउटलेट्स की संख्या अब 293 हो गई है। ब्रांड की तेज़ और रणनीतिक वृद्धि को दर्शाते हुए, कॅम्पस ने हाल के प्रमुख बाजारों में कई नए स्टोर खोले हैं, जिससे ग्राहक तक पहुंचने में आसानी हुई है। कॅम्पस का उद्देश्य युवाओं को उनके फैशन विकल्पों के जरिए अपनी व्यक्तित्व को व्यक्त करने के लिए प्रेरित करना है।

वोडाफोन-आइडिया के शेयर में आ सकती है तेज गिरावट

नई दिल्ली. वोडाफोन आइडिया के स्टॉक में तेज गिरावट के आसार हैं. ब्रोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने निवेशकों को स्टॉक बेचने की सलाह दी है. ब्रोकरेज हाउस ने 5 रुपये प्रति शेयर का टागरेट प्राइस के साथ स्टॉक को बेचने को कहा है. मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने कहा है कि वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही ऑपरेशनल तौर पर बेहद कमजोर रहा है जिसके चलते स्टॉक को डाउनग्रेड किया गया है. ब्रोकरेज हाउस के मुताबिक तिमाही दर तिमाही कंपनी के सब्सक्राइबर्स बेस में कमी आई है और इसमें 5.2 मिलियन सब्सक्राइबर्स कम हुए हैं जबकि हमारा अनुमान 4 मिलियन का था. मोतीलाल ओसवाल के मुताबिक वोडाफोन आइडिया का एवरेज रेवेन्यू प्रति सब्सक्राइबर्स अनुमान से 1 फीसदी कम 163 रुपये पर रहा है जबकि उसकी प्रतिद्वंद्वी टेलीकॉम ऑपरेटरों का एवरेज रेवेन्यू प्रति सब्सक्राइबर्स 4 से 5 फीसदी के दर से तिमाही दर तिमाही बढ़ा है.

ब्रोकरेज हाउस ने अपने रिपोर्ट में कहा, वोडाफोन आइडिया के डेटा सब्सक्राइबर्स के छोड़ने और कस्टमर इंगेजमेंट मेट्रिक्स में कमजोरी के चलते तीसरी तिमाही में अपने मार्केट शेयर को गंवाया है.

जबकि भारती एयरटेल सबसे बड़ा विजेता साबित हुआ है. कंपनी के रेवेन्यू मार्केट शेयर और सब्सक्राइबर मार्केट शेयर में तिमाही दर तिमाही 80 और 50 बेसिस प्वाइंट का उछाल देखने को मिला है. मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने कहा, साल 2026 की पहली छमाही से कंपनी को भारत सरकार के बकाये का भुगतान करना है और कर्ज जुटाने के मामले में कंपनी को सफलता दिखती नहीं मिल रही है. ऐसे में कंपनी को कैश की कमी का सामना करना पड़ सकता है और वित्त वर्ष 2026-27 में कंपनी को 500 से 550 बिलियन के कैपिटल एक्सपेंडिचर गाइडेंस को पूरा करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है. इसी के चलते ब्रोकरेज हाउस ने स्टॉक को डाउनग्रोड कर दिया है.

फिर ब्याज दरों में होगी कटौती

अप्रैल में आरबीआई देगा सस्ते कर्ज की सौगात

नई दिल्ली. अप्रैल महीने में जब आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी की बैठक होगी तब एक बार फिर महंगी ईएमआई से परेशान लोगों को राहत मिल सकती है. ऐसा इसलिए क्योंकि जनवरी 2025 में खुदरा महंगाई दर 5 फीसदी के नीचे 4.3 फीसदी पर आ चुकी है. इससे पहले पिछले हफ्ते ही आरबीआई ने रेपो रेट को 6.50 फीसदी से घटाकर 6.25 फीसदी कर दिया था. जनवरी महीने में सब्जियों की कीमतों में गिरावट के चलते महंगाई में कमी आई है और बेहतर रबी फसलों के चलते महंगाई में और भी कमी आने की संभावना जताई जा रही है. नाईट फ्रैंक इंडिया के नेशनल डायरेक्टर रिसर्च विवेक राठी ने कहा, आरबीआई एमपीसी ने फ़रवरी महीने में रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती की है. हालांकि महंगाई दर में उछाल की संभावना के बावजूद आने वाले मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी की बैठक में आरबीआई की ओर से रेपो रेट में कटौती का सिलसिला जारी रह सकता है जिससे खपत और उपभोग को बढ़ावा दिया जा सके. खासतौर से इसका फायदा लोअर-इनकम ग्रुप को फायदा होगा जिनपर सबसे ज्यादा ऊंची ब्याज दरों का प्रभाव पड़ता है. रासेंस प्राइवेट लिमिटेड के एमडी और सीईओ संजय कुमार ने कहा, सीपीआई महंगाई 5 महीने के निचले लेवल पर आ पहुंची है. खाद्य वस्तुओं की कीमतों में कमी के चलते ऐसा हुआ है. खाद्य महंगाई पर नियंत्रण रखकर ही अर्थव्यवस्था में खपत को बढ़ावा दिया जा सकता है. खुदरा महंगाई दर के 4 फीसदी के करीब रहना पॉलिसी प्वाइंट के मद्देनजर सही है क्योंकि इसके चलते अप्रैल में ब्याज दरों में कटौती का संभावना खुला हुआ है. केयरएज रेटिंग्स की चीफ इकोनॉमिस्ट रजनी सिन्हा ने कहा, हमारा मानना है कि महंगाई दर मौजूदा वित्त वर्ष की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 2025-26 में 4.4 से 4.5 फीसदी औसतन रहने का अनुमान है. ऐसे में महंगाई दर में कमी के चलते अप्रैल में 25 बेसिस प्वाइंट रेपो रेट में कटौती की संभावना है.

यूनियन म्यूचुअल फंड लेकर आई ये दो ईटीएफ

नई दिल्ली. सोना एक बार फिर निवेश का बेहतरीन ऑप्शन बनकर उभर रहा है. इसके दाम लगातार बढ़ रहे हैं और दिवाली तक इसका दाम एक लाख रुपए के भाव तक पहुंचने की उम्मीद है. ऐसे में अगर आप आसान तरीके से सोने में इंवेस्ट करना चाहते हैं, इसके लिए यूनियन म्यूचुअल फंड ने दो नए गोल्ड ईटीएफ बाजार में उतारे हैं. इन दोनों को ही एनएसई और बीएसई पर लिस्ट कराया जाएगा.

ऐसे में जो लोग अपने इंवेस्टमेंट पोर्टफोलियो में गोल्ड में इंवेस्ट करना चाहते हैं, वह इनके बारे में जान सकते हैं. क्या है इनमें खास? कंपनी के दोनों ही गोल्ड ईटीएफ 10 फरवरी 2025 को लॉन्च हो चुके हैं. ये दोनों ही ओपन एंडेड स्कीम हैं. इसमें यूनियन गोल्ड ईटीएफ घरेलू मार्केट के सोने के दामों को ट्रैक करेगा. इसमें निवेश करने वाले लोग कभी भी इससे एग्जिट ले सकते हैं. इसमें कोई एग्जिट लोड नहीं हैं. निवेश करने के बाद आपको 5 वर्किंग डे में ईटीएफ यूनिट अलॉट हो जाएगी, जिसे आप किसी भी सामान्य शेयर की तरह ट्रेड कर सकते हैं.

कंपनी ने ये साफ किया है कि वह फिजिकल गोल्ड के डोमेस्टिक प्राइस को ट्रैक करके इस फंड को मैनेज करेंगे. इन दोनों फंड को मैनेज करने की जिम्मेदारी विनोद मालवीय को दी गई है, जो यूनियन एएमसी में फंड मैनेजर हैं.उनके पास फंड मैनेजमेंट का लंबा अनुभव है.

कमाई को सुरक्षित रखेगा यह फंड

नई दिल्ली. निप्पॉन इंडिया ने एक नया फंड लॉन्च किया है. इसका नाम निप्पॉन इंडिया एक्टिव मोमेंटम फंड स्ट्रैटेजी है. यह फंड 10 फरवरी से 24 फरवरी तक खुला रहेगा.

इस फंड का मकसद मोमेंटम थीम पर आधारित निवेश करना है. वह शेयर जिनकी कीमतें समय के साथ एक दिशा में बढ़ रही हैं उन्हें चुना जाएगा. इसका मानना है कि जो शेयर पहले अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. वे भविष्य में भी अच्छा कर सकते हैं. साथ ही जो खराब कर रहे हैं. वे आगे भी खराब प्रदर्शन कर सकते हैं. यह फंड एक नियम आधारित तरीके से काम करता है. इससे इंसान की भावनाओं और पूर्वाग्रहों का असर कम होता है. फंड स्टॉक की खासियतों जैसे अल्फा, क्वालिटी, कीमत और बढ़ोतरी पर निर्भर करता है.

एआई विंडफ्री एयर कंडीशनर रेंज लॉन्च

गुरुग्राम.

भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपनी 2025 बेस्पोक एआई विंडफ्री™ एयर कंडीशनर रेंज लॉन्च की है, जो भारतीय उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। अत्याधुनिक एआई तकनीक, ऊर्जा कुशल प्रदर्शन और आधुनिक जीवनशैली में सहज समावेश के साथ, यह नई रेंज न केवल भारतीय गर्मियों के लिए कूलिंग के अनुभव को नए स्तर पर ले जाती है बल्कि घरों में आरामदायक माहौल भी बनाए रखती है।

एआई फास्ट एंड कम्फर्ट कूलिंग तकनीक से लैस ये एयर कंडीशनर कमरे का तापमान तेजी से कम करते हैं और फिर धीरे-धीरे विंडफ्री कूलिंग में बदल जाते हैं। यह अनूठी तकनीक बिना किसी तेज हवा के कोमल और प्रभावी कूलिंग सुनिश्चित करती है, जो इनडोर और आउटडोर परिस्थितियों के अनुसार खुद को अनुकूलित कर लेती है। यह सिस्टम उपयोगकर्ता की पसंद और आदतों को लगातार सीखकर व्यक्तिगत कूलिंग समाधान प्रदान करता है, जिससे यह भारत के अनिश्चित जलवायु में रहने वाले परिवारों के लिए एक आदर्श विकल्प बन जाता है। विंडफ्री कूलिंग तकनीक, अपने माइक्रो एयर होल डिज़ाइन के जरिए हवा को समान रूप से फैलाकर "स्टिल एयर" वातावरण बनाती है, जिससे ठंडक का अहसास होता है लेकिन बिना किसी अप्रिय हवा के झोंकों के। इसके साथ एआई एनर्जी मोड भी दिया गया है, जो रियल-टाइम परिस्थितियों और उपयोग के पैटर्न का विश्लेषण कर ऊर्जा की खपत को कम करता है। यह तकनीक 30 फीसदी तक बिजली की बचत करने में सक्षम है, जिससे भीषण गर्मी के दौरान भी घर ठंडे और आरामदायक बने रहते हैं। स्मार्टथिंग्स कनेक्टिविटी की मदद से यूजर्स अपने एयर कंडीशनर को स्मार्टफोन या बिक्सबी, एलेक्सा और गूगल होम जैसे वॉयस असिस्टेंट से आसानी से नियंत्रित और मॉनिटर कर सकते हैं। चाहे घर पहुंचने पर वेलकम कूलिंग सेट करना हो या अलग-अलग कमरों के लिए कूलिंग सेटिंग को कस्टमाइज करना हो, ये एसी हर स्थिति में सुविधा और एक बेहतर कनेक्टेड अनुभव प्रदान करते हैं। आज के समय में, जब स्पेस ऑप्टिमाइजेशन और शांत संचालन सबसे जरूरी हैं, तो एडवांस ट्विन कंप्रेसर डिज़ाइन और ट्विन ट्यूब मफलर शोर और कंपन को काफी हद तक कम कर देते हैं, जिससे घर के अंदर शांत और सुकून भरा माहौल बना रहता है। यह रेंज वर्क-फ्रॉम-होम सेटअप, आरामदायक शामों और सुकून भरी नींद के लिए खासतौर पर उपयुक्त है। आधुनिक जीवनशैली में पूरी तरह फिट होने के लिए डिजाइन किए गए ये एसी सिर्फ आराम ही नहीं, बल्कि एक प्रीमियम अहसास भी देते हैं। इनका स्लीक और कस्टमाइज़ेबल डिज़ाइन और इंटेलिजेंट फीचर्स इन्हें हर घर के लिए जरूरी बनाते हैं। ये एयर कंडीशनर सिर्फ शक्तिशाली कूलिंग मशीन नहीं हैं, बल्कि इनमें फ्रीज़ वॉश, कॉपर एंटी-बैक्टीरियल फिल्टर, कम बिजली खपत और इंटेलिजेंट एआई-सक्षम नियंत्रण जैसे स्मार्ट फीचर्स भी हैं। यह सिस्टम कमरे के तापमान के अनुसार ऑटोमैटिकली कूलिंग एडजस्ट करता है, जिससे उपभोक्ताओं को एक बेहतरीन और अधिक सुविधाजनक अनुभव मिलता है।

इस वैलेंटाइन डे के अवसर पर प्लेटिनम बनाएगा आपके प्यार को मजबूत

नई दिल्ली.

प्लेटिनम लव बैंड्स प्यार का स्थायी प्रतीक

अपनी विशेष बनावट, फ्लुड लाईनों और सुंदर मोटिफ्स के साथ प्लेटिनम लव बैंड्स को खूबसूरती से प्यार की कहानियों को आत्मसात करने के लिए डिज़ाईन किया गया है। मिनिमलिस्ट और चिक स्टाईल हो या फिर कालातीत सौंदर्य, प्लेटिनम लव बैंड्स का विस्तृत कलेक्शन उन सभी युगलों के लिए है, जो अपने प्यार के लिए समर्पित हैं। प्लेटिनम लव बैंड्स प्यार का स्थायी प्रतीक हैं, जो आप हर दिन पहनकर इसका एहसास ले सकते हैं। यह आप दोनों के साझा भविष्य में सदैव खूबसूरत बने रहने के लिए तैयार किया गया है।

अपनी नायाब और कीमती मोहब्बत का इजहार सुंदर प्लेटिनम लव बैंड से करें. मोहब्बत का महीना शुरू हो गया है, जो हम सभी को नायाब, सच्चे और स्थायी रिश्तों की खुशी मनाने के लिए आमंत्रित कर रहा है। यह समय अपने प्यार को सम्मान देने का है, जो शक के दायरे से बाहर है। 'क्या यह संभव है' की अनिश्चितता से बाहर निकलकर 'यही वह है' के उत्साह तक जाने का सफर है यह प्यार। यह उस हँसी में मिलता है, जो हमेशा बनी रहती है।

यह सुकूनभरी खामोशी में मिलता है, और यह उस विश्वास में मिलता है जो आपको यह एहसास कराता है कि आपको अपना विश्वसनीय साथी मिल गया है। जब आपके मिलकर बिताए हुए लम्हे पूरी जिंदगी की योजना में बदल जाते हैं, तब आपको एहसास होता है कि आपको वह प्यार मिल गया है, जो नायाब, कीमती और स्थायी है। इस महीने सच्ची और नायाब मोहब्बत का इजहार प्लेटिनम के साथ करें, जो इस पर अपनी मुहर लगा देगा। यह दुनिया का एकमात्र मैटल है, जो इस सार को समाहित करता है।

95 प्रतिशत शुद्ध और दुर्लभ प्लेटिनम दुनिया की कुछ चुनिंदा जगहों पर पाया जाता है और सोने के मुकाबले 30 गुना अधिक दुर्लभ है। प्लेटिनम लव बैंड्स केवल जेवरात नहीं, बल्कि मोहब्बत का प्रतीक हैं, वह मोहब्बत जो अपने आप में खास है! अपने आधुनिक डिज़ाईन के साथ प्लेटिनम लव बैंड्स आधुनिक रिश्तों का इजहार करते हैं, जिनमें एक दूसरे की व्यक्तिगत पहचान को सम्मान दिया जाता है, एक दूसरे की सफलता की खुशी मनाई जाती है, और जिंदगी की जिम्मेदारियाँ मिलकर बाँटी जाती हैं। प्लेटिनम की बेजोड़ ताकत के कारण यह अपने रूप और प्राकृतिक सफेद चमक को कभी नहीं खोता है, जो उस मोहब्बत की मजबूती और निरंतरता को प्रतिबिंबित करता है, जो अपने आप में खास है। जिस प्रकार प्लेटिनम कभी अपनी चमक नहीं खोता, उसी प्रकार यह मोहब्बत भी अटूट और स्थायी है।

निकाल
महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
महाराष्ट्र सह्याद्री
• दीपलक्ष्मी विकली लॉटरी •
सोडत सायं. 4:30 वाजता
सोडत दर गुरुवार • सोडत क्रमांक 07 • तिकीट किं. रु. 15/- • सोडत दिनांक 13/02/2025

पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/-	SD-07 : 1875	श्री गणेश एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई	
सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी			
दुसरे बक्षिस रु. 5000/-	5773		
तिसरे बक्षिस रु. 2000/-	3228 सुमित एजन्सी - मुंबई	3572	4428

चौथे बक्षीस रु. 700/- (सर्व मालिकांसाठी)

1077	2122	3255	4112	5506
1143	2255	3305	4284	5536
1148	2272	3319	4437	5561
1367	2390	3332	4529	5785
1468	2529	3369	4745	5878
1703	2882	3461	4947	5895
1721	3131	3873	4976	5911
2000	3228	3893	5018	5979

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY
महाराष्ट्र तेजस्विनी मासिक सोडत
सोडत दिनांक 21/02/2025
जिंका फक्त 4 अंकावर ₹ 50 लाख पहिले सामाईक बक्षिस रु. (रु. 25 लाखाची 2 बक्षिसे)
दुसरे बक्षिस ₹10 लाख ✶(रु. 10 हजाराची 100 बक्षिसे)✶
तिसरे बक्षिस ₹5 लाख ✶(रु. 5 हजाराची 100 बक्षिसे)✶
तिकीट किंमत ₹200/-
छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. • अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. • प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
महाराष्ट्र सह्याद्री दीपलक्ष्मी विकली लॉटरी
सोडत दिनांक 13/02/2025
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

निकाल
महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी
गुरु विकली लॉटरी
सोडत संध्या. 4:45 वाजता
सोडत दर गुरुवार • सोडत क्रमांक 07 • तिकीट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 13/02/2025

मालिका	GL-00	GL-01	GL-02	GL-03	GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/-	6737	2917	7797	2951	4247 डायमंड कॉर्पोरेशन, बोरिवली
सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES					
दुसरे बक्षिस रु. 5000/-	0907		4816 श्री सिद्धि समर्थ एजेंसी, दादर - मुंबई		
तिसरे बक्षिस रु. 2000/-	3330 श्री गणेश एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई	4457 न्यू महाराजा एन्टरप्रायझेस, इचलकरंजी	4959 मेवाड एजन्सी - मुंबई	6222	9636

चौथे बक्षिस रु. 1000/-	0298	1820	2103	2264	3248	3270	6711	8040	9106	9884
पाचवे बक्षिस रु. 500/-	1110	1598	2516	2642	7076	7382	7970	8432	9341	9433

सहावे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

सहावे बक्षिस रु.	1115	1773	2565	3291	4223	5263	6125	6990	8083	8999
300/-	1117	1801	2601	3325	4260	5265	6163	7046	8137	9095
0009	1123	1898	2621	3334	4275	5292	6225	7050	8181	9096
0087	1140	1951	2623	3339	4441	5319	6285	7110	8186	9188
0101	1149	1975	2625	3404	4456	5356	6387	7206	8189	9308
0152	1174	2082	2633	3454	4464	5384	6436	7262	8242	9329
0200	1193	2129	2727	3576	4491	5399	6449	7342	8305	9419
0521	1195	2168	2729	3598	4507	5401	6454	7371	8388	9486
0623	1219	2192	2812	3663	4509	5459	6646	7378	8423	9617
0695	1314	2202	2820	3733	4557	5590	6653	7426	8502	9728
0708	1374	2226	2924	3736	4637	5631	6663	7430	8523	9845
0748	1383	2242	2925	3820	4749	5655	6681	7497	8555	9879
0775	1447	2248	2929	3850	4764	5656	6723	7717	8568	9895
0940	1482	2287	2949	3905	4842	5677	6885	7766	8609	9908
0969	1506	2299	2968	3932	5002	5897	6898	7776	8658	9919
0991	1549	2301	3000	4015	5008	6001	6938	7781	8708	9945
1038	1563	2376	3137	4018	5058	6018	6963	7846	8746	9949
1061	1567	2424	3208	4134	5129	6061	6964	7878	8806	9963
1114	1655	2472	3278	4141	5253	6079	6967	7991	8823	9967

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY
महाराष्ट्र गजराज मासिक सोडत
सोडत दिनांक 25/02/2025
जिंका फक्त 4 अंकावर ₹ 14 लाख पहिले सामाईक बक्षिस रु.
दुसरे बक्षिस ₹ 2.5 लाख ✶ (रु. 10 हजाराची 25 बक्षिसे) ✶
तिकीट किंमत ₹20/-
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी गुरु विकली लॉटरी सोडत दिनांक 13/02/2025
छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लाँटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, शुक्रवार, 14 फरवरी 2025 | अंक 123/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या आप स्वास्थ से परेशान ही ?

* सर्दी खासी सिनेमाईटिस * ॲलर्जिक राईनिटिस * क्रॉनिक ब्रॉन्काईटिस * इसिनोफिलीया * ब्रॉनकियल बॉनकाईटस * कॉरपुलमानेल (कार्डियल) पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन 9112079000 / 8605245080

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

मणिपुर में लागू हुआ 'राष्ट्रपति शासन'

'मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया है. इससे पहले 9 फरवरी को राज्य के सीएम बीरेन सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दिया था. ये इस्तीफा उन्होंनेराज्य में चली आ रही जातीय हिंसा के करीब दो साल बाद दिया था.'

> गृह मंत्रालय ने जारी किया नोटिफिकेशन

> 9 फरवरी को सीएम बीरेन सिंह ने दिया था इस्तीफा

नई दिल्ली. मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया है. इससे पहले 9 फरवरी को राज्य के सीएम बीरेन सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दिया था. ये इस्तीफा उन्होंनेराज्य में चली आ रही जातीय हिंसा के करीब दो साल बाद दिया था. इस मामले के साथ ही अन्य मुद्दों को लेकर राज्य में उनकी आलोचना हो रही थी. बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद से चर्चा थी कि राष्ट्रपति शासन लागू हो सकता है.

बता दें कि संविधान के मुताबिक किसी भी राज्य की विधानसभा की दो बैठकों के बीच 6 महीने से ज्यादा का अंतर नहीं होना चाहिए. हालांकि, मणिपुर विधानसभा के मामले को देखा जाए तो ये समय सीमा बुधवार को खत्म हो गई. इसके साथ ही राज्य में किसी भी पार्टी या गठबंधन ने सरकार बनाने का दावा पेश नहीं किया.

10 फरवरी से शुरू होना था विधानसभा सत्र

10 फरवरी से मणिपुर विधानसभा का सत्र शुरू होना था. मगर, बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद इसे स्थगित करने का आदेश जारी किया गया. ये सब उस वक्त हुआ जब कांग्रेस विधानसभा सत्र में बीरेन सिंह के खिलाफ नो कॉन्फिडेंस मोशन लाने की तैयारी में थी. हालांकि, अब तमाम सियासी उठापटक पर विराम लग गया है और राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू हो चुका है.

राष्ट्रपति शासन लागू होने का असर

किसी भी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने पर उस राज्य की शासन व्यवस्था में कई बदलाव हो जाते हैं. राज्य का प्रशासन राष्ट्रपति के कंट्रोल में आ जाता है. राष्ट्रपति अपने प्रतिनिधि के तौर पर राज्यपाल को प्रशासन चलाने की जिम्मेदारी देते हैं और राज्यपाल केंद्र के निर्देशों के आधार पर शासन करता है.

राज्य के कानूनों पर क्या असर पड़ता है?

आमतौर पर राज्यों की विधानसभा कानून बनाती हैं. मगर, राष्ट्रपति शासन में राज्य के कानून संसद बनाती है. अगर संसद का सत्र न चल रहा हो तो राष्ट्रपति अध्यादेश जारी कर सकता है. राष्ट्रपति शासन अधिकतम 6 महीने के लिए लागू किया जाता है. मगर, इसे 3 साल तक बढ़ाया भी जा सकता है. इसके लिए संसद की अनुमति जरूरी होती है.

किसी भी राज्य में राष्ट्रपति शासन तब लागू किया जाता है जब राज्य सरकार संविधान के प्रावधानों के पालन में असमर्थ रहे.कानून-व्यवस्था फेल होने पर भी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया जा सकता है. इसके साथ ही सरकार के अल्पमत में आने पर और स्थिर सरकार न बन पाने पर भी राष्ट्रपति शासन किया जाता है. इसके अलावा भ्रष्टाचार, विद्रोह, आपदा या अन्य कारणों से सरकार के फेल होने पर राष्ट्रपति शासन लागू किया जा सकता है.

नोटिफिकेशन में क्या कहा गया?

गृह मंत्रालय द्वारा जारी नोटिफिकेशन में कहा गया है- "मुझे यानी भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, को मणिपुर राज्य के राज्यपाल से एक रिपोर्ट प्राप्त हुई है। प्राप्त रिपोर्ट और अन्य सूचना पर विचार करने के बाद मेरा समाधान हो गया है कि ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है जिसमें उस राज्य का शासन भारत के संविधान के उपबंधों के अनुसार नहीं चलाया जा सकता है। इसलिए अब मैं संविधान के अनुच्छेद 356 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का तथा उस निमित्त मुझे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा उद्घोषणा करती हूं कि मैं- मणिपुर राज्य की सरकार के सभी कृत्य और उस राज्य के राज्यपाल में निहित, तथा उनके द्वारा प्रयोक्तव्य सभी शक्तियां, भारत के राष्ट्रपति के रुप में स्वयं संभालती हूं।"

दलाई लामा को मिली झेड कैटेगरी सिक्योरिटी

नई दिल्ली. खुफिया एजेंसियों की समीक्षा के बाद गृह मंत्रालय ने तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा को जेड श्रेणी की सुरक्षा दी है. उनकी सुरक्षा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान तैनात रहेंगे. इसमें करीब 30 कमांडो की एक टीम होगी, जो कि अलग-अलग शिफ्ट में उनकी सुरक्षा में तैनात रहेगी.

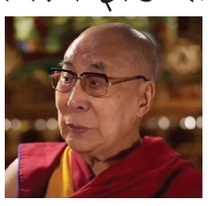

सूत्रों का कहना है कि पूरे देश में दलाई लामा को सीआरपीएफ कमांडो की जेड कैटेगरी सिक्योरिटी की सुरक्षा मिलेगी. अभी तक दलाई लामा को हिमाचल प्रदेश की पुलिस सुरक्षा मुहैया करा रही थी. जब वो दिल्ली या किसी अन्य जगह जाते थे तो स्थानीय पुलिस उन्हें अतिरिक्त सुरक्षा देती थी. बताया जा रहा है कि खुफिया एजेंसियों की समीक्षा के बाद केंद्र सरकार ने उन्हें अब जेड कैटेगरी सिक्योरिटी सुरक्षा देने का फैसला किया है. उनकी सुरक्षा के लिए सीआरपीएफ के करीब 30 कमांडो की टीम अलग-अलग शिफ्ट में काम करेगी. इसके साथ ही गृह मंत्रालय ने मणिपुर में बीजेपी नेता संबित पात्रा को जेड श्रेणी की सुरक्षा दी है. पुरी लोकसभा सीट से सांसद संबित पात्रा मणिपुर में पार्टी के प्रभारी हैं.

संसद में पेश किया नया इनकम टैक्स बिल

नई दिल्ली.

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को संसद की लोक सभा में नया इनकम टैक्स बिल पेश कर दिया। नए इनकम टैक्स बिल को पिछले हफ्ते 7 फरवरी को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई थी। आज लोकसभा में पेश होने के बाद नए इनकम टैक्स बिल को आगे की चर्चा के लिए संसदीय वित्त स्थायी समिति के पास भेजा जाएगा। इस बिल पर संसदीय समिति अपनी सिफारिशें देगी, जिसके बाद इसे एक बार फिर कैबिनेट के पास भेजा जाएगा। संसदीय समिति की सिफारिशों के बाद इसे एक बार फिर कैबिनेट की मंजूरी चाहिए होगी। मंजूरी मिलने के बाद इस बिल को दोबारा संसद में पेश किया जाएगा।

इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की जगह लेगा नया बिल

नया इनकम टैक्स बिल 2025, भारत के टैक्स सिस्टम में सुधार के लिए एक बड़ी कोशिश का एक अहम हिस्सा है। नए इनकम टैक्स बिल का उद्देश्य मौजूदा टैक्स सिस्टम में सुधार करने के साथ ही इसे ज्यादा आसान, सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाना है।

फिलहाल, भारत में इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के नियमों और कानूनों के तहत सिस्टम काम कर रहा है। नया इकनम टैक्स बिल पास होने के बाद ये इनकम टैक्स एक्ट, 2025 बन जाएगा और इनकम टैक्स एक्ट, 1961 की जगह ले लेगा। नए नियमों के तहत इनकम टैक्स की धाराओं में बदलाव होगा। इसके साथ ही, नए बिल में ऐसेसमेंट ईयर को खत्म कर टैक्स ईयर का प्रावधान है। टैक्स ईयर 1 अप्रैल से शुरू होगा और अगले साल 31 मार्च तक चलेगा।

आचार्य सत्येंद्र दास को दी गई सरयू में 'जल समाधि'

अयोध्या. अयोध्या में स्थित राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी महंत सत्येंद्र दास का बुधवार को निधन हो गया है। गुरुवार की शाम महंत सत्येंद्र दास को सरयु नदी में जल समाधि दी गई। उनके शरीर को तुलसीदास घाट पर जल समाधि दी गयी है। इससे पहले सत्येंद्र दास के पार्थिव शरीर को रथ पर रखकर नगर भ्रमण कराया गया। इसके बाद उन्हें जल समाधि दी गई।

जस्टिस यादव को पद से हटाने का मामला संसद के पास

नई दिल्ली.

करीब दो महीने पुरानी बा हो गई. इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर यादव अचानक से देश भर में चर्चा के केंद्र में आ गए थे. जब उन्होंने विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में मुसलमानों को लेकर काफी आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी.

इसके बाद जस्टिस यादव को हटाने को लेकर देश भर में चर्चा छिड़ गई. ये मामला देश की संसद राज्यसभा भी पहुंचा. आज इस पर एक अहम घटनाक्रम हुआ. जहां ये कहा गया कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस यादव को पद से हटाने का विषय संवैधानिक रूप से संसद के अधीन है.

देश के कई विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा में जस्टिस यादव के ख़िलाफ़ महाभियोग का नोटिस भेज जमा कराया था. राज्यसभा में निर्दलीय सांसद कपिल सिब्बल की अगुआई में सदन के सेक्रेटरी जनरल को तब ये नोटिस सौंपा गया था. आज इस पर राज्यसभा के सभापति और देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बताया कि उन्हें राज्यसभा के 55 सांसदों के हस्ताक्षर किया हुआ एक नोटिस मिला है जिसमें संविधान के अनुच्छेद 124(4) के तहत इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यादव को पद से हटाने की मांग की गई है.

जगदीप धनखड़ ने क्या कहा?

सभापति धनकड़ ने राज्यसभा के सांसदों को संबोधित करते हुए कहा कि, "माननीय सदस्यगण, मुझे 13 दिसंबर 2024 का एक नोटिस मिला है, जिसमें राज्यसभा के 55 सदस्यों के हस्ताक्षर हैं. इस नोटिस में संविधान के अनुच्छेद 124(4) के तहत इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति शेखर यादव को पद से हटाने की माँग की गई है.

इस विषय पर संवैधानिक अधिकार क्षेत्र राज्य सभा के अध्यक्ष के पास है और किसी परिस्थिति में संसद और माननीय राष्ट्रपति के पास होगा. उपलब्ध सार्वजनिक जानकारी को ध्यान में रखते हुए, यह उचित होगा कि राज्यसभा के महासचिव इस सूचना को सुप्रीम कोर्ट के महासचिव के साथ साझा करें"

अब यहां से आगे कोर्ट और राज्यसभा किस तरह जस्टिस यादव की बर्खास्तगी की मांग पर कदम उठाते हैं, इस पर सभी की निगाहें होंगी.

मुस्लिमों से 'वक्फ' को छीनने के लिए विधेयक: ओवैसी

नई दिल्ली.

वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार करने वाली जेपीसी की रिपोर्ट गुरुवार को लोकसभा और राज्यसभा के पटल पर रखी गई। इस दौरान विपक्षी सदस्यों ने भारी हंगामा किया है। जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने लोकसभा में रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखा है। वहीं, विपक्षी दलों का आरोप है कि उनकी असहमति को रिपोर्ट के साथ नहीं जोड़ा गया है। इसके अलावा ऐआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भी इस रिपोर्ट का विरोध करते हुए इसे असंवैधानिक बताया है। ऐआईएमआईएम पार्टी के प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, "वक्फ संशोधन बिल असंवैधानिक है। ये वक्फ को बचाने के लिए नहीं बल्कि मुस्लिमों से वक्फ को छीनने के लिए ये विधेयक लाया जा रहा है, वक्फ को बर्बाद करने के लिए लाया जा रहा है। हम इसकी आलोचना करते हैं।" ओवैसी ने आगे कहा कि ये बिल संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 29 का उल्लंघन करता है। हम इस बिल की निंदा करते हैं।

ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन के 'मेगा-डैम' पर भारत की नजर

नई दिल्ली.

चीन ने हाल ही में तिब्बत में भारत की सीमा के निकट ब्रह्मपुत्र नदी पर एक विशाल बांध बनाने का ऐलान किया है। चीन के इस कदम ने ब्रह्मपुत्र नदी के पामी को लेकर भारत में चिंता पैदा कर दी है। अब भारत सरकार ने कहा है कि वह ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन की मेगा बांध की योजना समेत अन्य डेवलपमेंट्स पर नजर रख रही है। केंद्रीय मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने गुरुवार को राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में इस बात की जानकारी दी है।

हम सावधानीपूर्वक निगरानी कर रहे- केंद्रीय मंत्री

केंद्रीय मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने एक लिखित उत्तर में कहा- "सरकार ब्रह्मपुत्र नदी से संबंधित सभी

डेवलपमेंट्स की सावधानीपूर्वक निगरानी कर रही है। इसमें चीन द्वारा जलविद्युत परियोजनाएं विकसित करने की योजना भी शामिल है। सरकार राष्ट्र के हितों की रक्षा के लिए आवश्यक उपाय कर रही है।" उन्होंने बताया कि सीमा पार नदियों से संबंधित मुद्दों पर चीन के साथ 2006 में स्थापित संस्थागत विशेषज्ञ-स्तरीय तंत्र और राजनयिक चैनलों के माध्यम से चर्चा की जाती है।

ब्रह्मपुत्र की सहायक नदियों पर अध्ययन

केंद्रीय मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने जानकारी दी है कि भारत ने सरकार ने चीनी अधिकारियों के सामने अपनी चिंताओं को लगातार जाहिर किया है। भारत ने चीन से इस बात को सुनिश्चित करने को कहा है कि नदी के ऊपरी इलाकों में किसी भी गतिविधि से निचले भाग के हितों को नुकसान न पहुंचे। केंद्रीय मंत्री ने बताया है कि ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन में जलविद्युत परियोजनाओं के पारिस्थितिक और सामाजिक-आर्थिक प्रभावों को कम करने के लिए रणनीति तैयार करने के लिए पूर्वोत्तर भारत में ब्रह्मपुत्र की प्रमुख सहायक नदियों पर अध्ययन किया गया है।

जानें चीन के डैम के बारे में

चीन की ओर से तिब्बत के स्वायत्त क्षेत्र के मेडोग काउंटी में यारलुंग त्सांगपो (ब्रह्मपुत्र) नदी के ऊपरी भाग में 60,000 मेगावाट का मेगा डैम बनाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, ब्रह्मपुत्र नदी पर इस बांध का नाम 'यारलुंग जांगबो' होने जा रहा है। बांध में करीब 137 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की लागत लग सकती है।

गन्ना काटने की मशीन के लिए केंद्र को सौंपे संशोधित प्रस्ताव

नई दिल्ली.

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में हुई केंद्र प्रायोजित राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत गन्ना थ्रेशर मशीन के लिए सब्सिडी परियोजना की समीक्षा बैठक में वर्ष 2022-23 से राज्य में क्रियान्वित की जा रही योजना की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने महाराष्ट्र सरकार को गन्ना काटने की मशीन के लिए केंद्र सरकार को संशोधित प्रस्ताव सौंपने का निर्देश किया। नई दिल्ली में आयोजित इस बैठक उन्होंने कहा कि सरकार ने इस योजना के तहत 900 गन्ना कटर खरीदने को मंजूरी दी है। राज्य में अब तक 257 पात्र लाभार्थियों ने ये गन्ना कटर मशीने खरीदी हैं। इनमें से 116 लाभार्थियों को सब्सिडी राशि वितरित की जा चुकी है।केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस योजना के तहत गन्ना काटने वाली मशीन की खरीदी कीमत का 40 प्रतिशत या फिर अधिकतम 35 लाख रुपए अनुदान दिया जाता है। बैठक में राज्य के कृषि मंत्री एडवोकेट माणिकराव कोकाटे ने शेष 141 लाभार्थियों को देय राशि में से केंद्र सरकार का हिस्सा तुरंत वितरित करने का अनुरोध किया। इस अनुरोध पर गडकरी ने राज्य सरकार को इस योजना में संशोधन करने और साथ ही केंद्र सरकार को संशोधित प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

शरद पवार ने संस्कृति दिखाई और इन लोगों ने विकृति : एकनाथ शिंदे

'महाराष्ट्र सरकार में डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि दिल्ली में मुझे एक संस्था ने पुरस्कार देने की घोषणा की. मुझे ये पुरस्कार शरद पवार के हाथों दिया गया. एक मराठी व्यक्ति को ये पुरस्कार मिला, इस पर गर्व होना चाहिए लेकिन मेरे प्रति द्वेष रखने वाले लोगों ने महादजी शिंदे का अपमान किया है.'

मुंबई.

महाराष्ट्र में सियासी हलचल तेज है. इसकी वजह है शरद पवार द्वारा डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को एक सामाजिक संस्था के सम्मान समारोह में सम्मानित करना. इसको लेकर महाविकास अघाड़ी के दल शिंदे पर हमलावर हैं. साथ ही पवार को भी नसीहत दे रहे हैं. इस बीच एकनाथ शिंद ने विपक्ष पर हमला बोला है. उन्होंने कहा, दिल्ली में मुझे एक संस्था ने पुरस्कार देने की घोषणा की. ये बहुत बड़ा पुरस्कार है. मुझे ये पुरस्कार शरद पवार के हाथों दिया गया. एक मराठी व्यक्ति को ये पुरस्कार मिला, इस पर गर्व होना चाहिए. मेरे प्रति द्वेष रखने वाले लोगों ने महादजी शिंदे का अपमान किया है. इन लोगों ने साहित्यकारों और शरद पवार का भी अपमान किया है. एकनाथ शिंदे ने कहा, शरद पवार ने संस्कृति दिखाई और इन लोगों ने विकृति दिखाई. उन्होंने अपनी किताब में लिखा है कि सिर्फ घर में बैठकर राज्य नहीं चलाया जा सकता. उनकी यह जलन कभी खत्म नहीं होगी क्योंकि ये लोग कंपाउंडर से दवा लेते हैं. अच्छे डॉक्टर को दिखाना चाहिए.

आदित्य ठाकरे को ये भी चुभ गया

उन्होंने कहा कि जो लोग राम मंदिर बनाने वाले मोदी और शाह साहब को सम्मान देने की बजाय गालियां और श्राप देते हैं, उनकी मानसिकता दिखती है. शिंदे ने इस दौरान आशा भोसले की तारीफ करते हुए कहा कि उनका दिल बड़ा है. वो ठाणे आईं और उन्होंने तारीफ की, लेकिन यह भी उन्हें (आदित्य ठाकरे) चुभ गया. आदित्य को शायद लगा होगा कि वो उनसे बड़े हैं.

बाला साहेब ठाकरे बड़े दिलवाले थे

एकनाथ शिंदे ने कहा, बाला साहेब ठाकरे बड़े दिलवाले थे. बाला साहेब सिर्फ बाला साहेब थे, उनकी तुलना कोई नहीं कर सकता. शरद पवार ने कभी अपने बनाए तत्कालीन मुख्यमंत्री से नहीं पूछा कि वो कहां जा रहे हैं, क्योंकि वो परिपक्व हैं. जैसे मुगलों के घोड़े संताजी-धनाजी को देखकर घबराते थे, वैसे ही आज ये लोग मुझे देखकर घबराते हैं. यह मानसिकता छोटी और मन तंग है.

ताइवान में फूड कोर्ट में हुआ विस्फोट, 4 लोगों की मौत

ताइचुंग. ताइवान में गुरुवार (13 फरवरी) को एक डिपार्टमेंटल स्टोर में गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया. इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई वहीं करीब 26 लोग जख्मी हो गए जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है. इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया. इस बीच जानकारी मिलते ही मौके पर फायर बिग्रेड की टीम पहुंची और कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया गया.

जानकारी के मुताबिक ये विस्फोट ताइचुंग शहर के शिन कोंग मित्सुकोशी डिपार्टमेंटल स्टोर 12वीं मंजिल पर मौजूद फूड कोर्ट में हुआ. यहां अचानक से गैस सिलेंडर में विस्फोट गया, जिससे पूरा फूड कोर्ट जलकर खाक हो गया. विस्फोट कितना तेज था इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि डिपार्टमेंटल स्टोर के आस पास की दुकानों में भी तेज आवाज सुनाई गई. इस हादसे में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई. मकाऊ के पर्यटन कार्यालय ने बताया कि मृतकों में मकाऊ से आए दो लोग शामिल हैं, जबकि तीसरा गंभीर रूप से घायल है.

वाशिंगटन पहुंचे भारतीय प्रधानमंत्री

> अमेरिकी खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड से की मुलाकात

वाशिंगटन.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर अमेरिका पहुंच चुके हैं। वाशिंगटन में भारतीय मूल के लोगों ने उनका जबरदस्त स्वागत किया। पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि वाशिंगटन डीसी में यूएसए की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुली गबार्ड से मुलाकात की और उनकी नियुक्ति पर उन्हें बधाई दी। साथ ही भारत-यूएसए मित्रता के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की, जिसकी वे हमेशा से प्रबल समर्थक रही हैं।

पीएम मोदी यहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से द्विपक्षीय मुलाकात के दौरान व्यापार, रक्षा और ऊर्जा सहित कई क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। इसके बाद बिजनेस लीडर्स से भी मिलेंगे। वाशिंगटन पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "सर्दी के बीच गर्मजोशी से स्वागत। ठंड के मौसम के बावजूद,

वाशिंगटन डीसी में भारतीय प्रवासियों ने मेरा बहुत ही विशेष स्वागत किया है। मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं।" पीएम मोदी ने भारतीय मूल के अमेरिकी लोगों के साथ तस्वीरें भी शेयर कीं।

अमेरिका पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने बताया था कि वह वाशिंगटन पहुंच चुके हैं। इसके साथ ही उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के साथ मुलाकात को लेकर भी जानकारी दी थी। उन्होंने लिखा था। "कुछ समय पहले ही वाशिंगटन डीसी पहुंचा हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने और भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हूं। हमारे देश अपने लोगों के लाभ और हमारे ग्रह के बेहतर भविष्य के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।"

टैरिफ और प्रवासियों के मुद्दे अहम

मोदी की यह यात्रा ऐसे वक्त हो रही है, जब ट्रंप 20 जनवरी को पद संभालने के बाद विभिन्न देशों से आयात किए जाने वाले सामान पर शुल्क लगाने की धमकी दे रहे हैं। मोदी की यात्रा से पहले पंजाब के 30 लोगों सहित 104 अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर एक अमेरिकी सैन्य विमान पांच फरवरी को अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरा था। यह अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के तहत ट्रंप प्रशासन द्वारा निर्वासित किया जाने वाला भारतीयों का पहला जत्था था। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने सोमवार को दिल्ली में कहा कि जिस तरह से भारतीयों के एक समूह को अमेरिका से वापस भेजा गया, उससे भारत में काफी चिंता, आक्रोश और गुस्सा पैदा हुआ है तथा दिल्ली को वाशिंगटन के समक्ष यह मुद्दा उठाना चाहिए।

सुविचार

संबंधों की कुल पाँच सीढ़ियां होती है... देखना, अच्छा लगना, चाहना और पाना, यह चार बहुत सरल सीढ़ियां है, सबसे कठिन पाँचवी सीढी है.. निभाना.!!

संपादकीय

तेजस में देरी ठीक नहीं

बेंगलुरु में हो रहे एयरो इंडिया 2025 के दौरान वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के इस बयान का चर्चा में आ जाना हैरत पैदा करता है कि उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा कंपनी एचएएल की क्षमता पर भरोसा नहीं है। हालांकि यह किसी आधिकारिक ब्रीफिंग का हिस्सा नहीं था, लेकिन यूट्यूब पर जारी विडियो एयरो इंडिया से जुड़े कार्यक्रम का है। वैसे यह कोई पहला मौका नहीं है जब देश के किसी वायु सेना प्रमुख ने एचएएल की ओर से सप्लाई में देरी को मुद्दा बनाया हो, लेकिन जिस तरह से और जिस मौके पर यह बयान आया, वह सामान्य नहीं है। देश की रक्षा तैयारियों को लेकर इस तरह के विवाद कोई अच्छा संदेश नहीं देते। इस बयान के पीछे छुपी वायु सेना प्रमुख की चिंता समझी जा सकती है। एयरफोर्स को फाइटर जेट तेजस मिलने में एक साल से ज्यादा की देर हो चुकी है। इस तरह की देरी बहुत गंभीर है। इससे एयरफोर्स की लड़ाकू क्षमता इससे प्रभावित होती है। एयरचीफ मार्शल की इस शिकायत को हलके में नहीं लिया जा सकता कि बार-बार कहने और नई डेडलाइन देने के बाद भी उसका पालन नहीं हो पा रहा। सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर इस तरह की देरी की क्या वजहें हैं। एचएएल की ओर से कहा गया है कि जो भी तकनीकी बाधाएं थीं, वे अब दूर हो गई हैं और इसीलिए आने वाले तीन वर्षों की समयावधि में एयरफोर्स को 83 तेजस दे दी जाएंगी। दरअसल इस प्रक्रिया से कई तरह की जटिलताएं जुड़ी होती हैं। देरी की एक बड़ी वजह अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस की ओर से समय पर F404 इंजन की सप्लाई नहीं हो पाना भी है।

दोनों देशों के बीच तकनीकी हस्तांतरण समझौतों की जटिलता भी इसमें आड़े आती है। एयर चीफ मार्शल की बात को भारत की सीमा संबंधी चुनौतियों से जोड़कर भी देखा जाना जरूरी है। चीन की सैन्य क्षमता भारत से कहीं ज्यादा है। हाल ही में उसने छठी पीढ़ी के जे-36 फाइटर जेट्स की नुमाइश की थी, वहीं दो वर्षों में पाकिस्तान को उससे स्टेल्थ जेट भी मिलने वाले हैं। ऐसे में भारतीय वायुसेना को किसी भी संभावित चुनौती से निपटने के लिए तैयार रहना होगा और उसके लिए समय पर तेजस की सप्लाई जरूरी है।

कविता

घर का स्वाद

दस मिनट में घर तक आए,
जाने कौन से तेल में पकाए
प्रतिरोधक क्षमता मरेगी एक दिन
ब्लिंकिट माँ समान सगी है।
हॉस्पिटल्स में लाइन लगी है।
तंदुरुस्ती तन से गिरेगी एक दिन
घर के खाने का स्वाद ना भाए
चलो खाना बाहर से मँगवाए
आदत ये दिल पर स्टंट जड़ेगी एक दिन
नई पीढ़ी का यें आलस,
मचलती ज़ुबान का लालच
आबादी को ले डूबेगी एक दिन
मन लज्जतों के आशिक़ हो चले
हम ज़ुबान पर नियंत्रण खो चले
व्याधि समाज पर बोझ मढ़ेगी एक दिन
भोजन वितरण वृद्धि हो रही
फ़ूड ऍप्स समृद्धि हो रही
सेहत स्तर से गिरेगी एक दिन
ज़िप्तो, स्विग्गी के मुनाफ़े,
फ़ूड आर्डर में होते इजाफ़े
दुनिया बीमारी से घिरेगी एक दिन
सुस्ती लगे आसान सा रस्ता
सात्विकता मन से फिरेगी एक दिन
घर का स्वाद बिसर चुका है।
गुणवत्ता आधार विसर चुका है।
वक़्त रहते आदते सुधार ली जाए
घर के स्वाद की पुकार की जाए
दिव्यता फिर बढ़ेगी चेहरे पर एक दिन
माँ की ममता से समृद्ध बनेगी एक दिन
भारत की क्षमता फिर बढ़ेगी एक दिन

पारुल मनचंदा, (कवि वेणु)

लघुकथा

चंद्रेश कुमार

सबसे अलग नालायक

सुनती हो, देखा तुमने गुप्ता जी की बेटी आज दौड़ में फर्स्ट आयी है, देखो हर फ़ील्ड में अव्वल है और एक हमारी बेटी है, पास हो जाती है यही उसका एहसान है, मैं पहले ही कहता था कि जिस रास्ते पर चल रही है वो सही नहीं है. दिन भर बस पता नहीं क्या सोचती रहती है. पांचवीं में पढ़ती है और बैठी ऐसे रहती है जैसे 50 साल की बुढ़िया हो. मदन जी चिल्लाते हुए अपने घर में दाखिल हुए. उनकी पत्नी तो जैसे ये वाक्य सुनने को आतुर बैठी थी, उसने भी चिल्लाते हुए जवाब दिया,"अब आपके खानदान की है, और क्या उम्मीद रखोगे, मंदबुद्धि और नालायकी के सिवा? मदन जी सर पकड़ कर बैठ गए| वो अपनी बेटी को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाना चाहते थे, लेकिन उनके बस में कुछ भी नहीं था. उनकी पत्नी स्वभाव से क्रोधी थी, इसलिए वो कई मामलों में शांत रहते थे. कभी-कभी इस तरह बोलकर और फिर सर पकड़कर अपनी कुंठा बाहर निकालते. उनकी बेटी सीतू अपने पिता का यह प्यार समझे ना समझे, यह ज़रूर समझ रही थी कि वो सबसे पिछड़ रही है. वो चुपचाप सी रहने लग गयी थी.. सबसे अलग और अकेली. हर तरह से कोशिश कर मदन जी हार चुके थे. सीतू एक दिन मोबाइल पर कोई गाना सुनते हुए गुनगुना रही थी.. मदन जी ने यह देख कर जब भी समय मिलता तेज़ आवाज़ में प्रेरणादायक गीत चलाने शुरू कर दिए, ताकि उनकी बेटी सुन सके. उस दिन 15 अगस्त था, हल्की बारिश भी थी. मदन जी अपनी बेटी को लेने उसके स्कूल चले गए| स्कूल के बाहर कीचड़ थी, उन्होंने देखा कि उस कीचड़ में कुछ देश के झंडे, जो कि प्लास्टिक से बने हैं, गिरे पड़े हैं. उन्हें देख कर बहुत दुःख हुआ. पता नहीं देश कहाँ जा रहा है...अचानक उनकी आँखें फटी रह गयीं, एक ही क्षण में आंसू भी निकल आये, जब उन्होंने देखा कि बाकी सारे बच्चे बारिश से बचते हुए निकल रहे हैं, लेकिन उनकी बेटी सीतू अकेली उस कीचड़ में गंदे होने की परवाह किये बिना अपने हाथ डाल कर वो सारे झंडे बाहर निकाल रही है.

समीक्षा

देवी नागरानी

शब्दों के मसीहा

हिंदी के प्रख्यात साहित्यकार और पद्म विभूषण से सम्मानित विष्णु प्रभाकर उत्तरप्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के गांव मीरापुर में पैदा हुए, उनकी शिक्षा मीरापुर में हुई। उन्होने हिन्दी में प्रभाकर व हिन्दी भूषण की उपाधि के साथ ही संस्कृत में प्रज्ञा और अंग्रेजी में बी.ए की डिग्री प्राप्त की। विष्णु प्रभाकर पर महात्मा गाँधी के दर्शन और सिद्धांतों का गहरा असर पड़ा। इसके चलते ही उनका रुझान कांग्रेस की तरफ हुआ और स्वतंत्रता संग्राम के महासमर में उन्होंने अपनी लेखनी का भी एक उद्देश्य बना लिया, जो आजादी के लिए सतत संघर्षरत रही। कृतियां दी, उनके लेखन का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह आज आठ दशकों तक निरंतर सक्रिय रहा। कथा-उपन्यास, यात्रा-संस्मरण, जीवनी, आत्मकथा, रूपक, फीचर, नाटक, एकांकी, समीक्षा, पत्राचार आदि गद्य की सभी संभव विधाओं के लिए ख्यात विष्णुजी ने कभी कविताएं भी लिखी होंगी , यह भी संयोग ही रहा कि उनके लेखन की शरुआत (उनके कहे अनुसार) कविता से हुई और उनकी अंतिम रचना, जो उन्होंने अपने देहावसान से मात्र पच्चीस दिन पूर्व बिस्तर पर लेटे-लेटे अर्धचेतनावस्था में बोली, वह भी कविता के रूप में ही थी।

डॉ. एम.ए.रशीद, नागपूर

शुक्रवार स्पेशल — भाग (75)

रास्ता रहना चाहिए समस्याओं से मुक्त

मुस्लिम समुदाय को शरिया कानून के अनुसार यातायात कानूनों का अनुपालन आवश्यक कहा गया है

रास्ते व्यक्ति को उसकी मंजिल तक पहुंचाने का साधन है, चाहे यह मंज़िल सांसारिक हो या परलोक। पवित्र क़ुरआन की पहली और सबसे अधिक पढ़ी जाने वाली सूरह में सीधे मार्ग को व्यक्ति की इच्छा बताया गया है जो उसे उसके रब तक पहुंचाए। मार्ग की इसी महत्ता के कारण व्यक्ति जहां भी रहता है, बसता है या निवास करता है, वह मार्ग के बारे में ही सोचता रहता है। चाहे वह स्थायी हो या अस्थायी, चाहे वह महल हो या झोपड़ी, चाहे वह खेत हो या खलिहान या कोई उद्योग हो या व्यापार, मार्ग के बिना कोई प्रगति नहीं हो सकती।

रास्ते की इसी असाधारण महत्ता के कारण यह हमेशा से ही मनुष्य के ध्यान का केंद्र रहा है और मनुष्य के साथ-साथ उसने भी काफी प्रगति की है, यहां तक कि बात पगडंडियों, गलियों और सड़कों से आगे बढ़कर राजमार्गों और मोटरमार्गों तक पहुंच गई है। इस ने न केवल समुद्र में बल्कि आकाश के असीम विस्तार में भी अपने पैर जमा लिए हैं, जिस पर हजारों विमान दिन-रात उड़ान भरते हैं। और फिर रास्ते जहां साफ-सुथरे और सुरक्षित हों, यात्रा की कठिनाइयों कम से कम हों और सुगमता अधिक से अधिक पाई जाएँ, वहाँ उन्नति एवं प्रगति के अवसर भी उसी अनुपात में बढ़ते चले जाते हैं। इसी उद्देश्य से सड़कों और पुलों का निर्माण होता है, खतरनाक मार्गों को यात्रा के योग्य बनाया जाता है। मार्ग-चिन्ह लगाए जाते हैं, उसे सुचारू रखने के लिए ट्रैफिक (यातायात) के नियम बनाए गए हैं, इससे यात्रा को दुर्घटनाओं से सुरक्षित रखने के प्रयत्न किये जाते हैं और यात्रियों को सुविधा एवं आराम पहुँचाया जाता है और रास्ता समस्याओं से मुक्त रहता है। आधुनिक युग ने अंतरिक्ष यात्रा के मार्ग खोल दिए हैं। इसकी अपनी खास समस्याएं हैं जिनके समाधान के प्रयत्न भी निरन्तर हो रहे हैं। रास्ते की बड़ी-बड़ी कठिनाइयों और रुकावटों को दूर करना और यात्रा को सरल व सुगम बनाना, वास्तव में राज्य का एक बुनियादी दायित्व होता है लेकिन इसके साथ ही इसमें लोगों का सहयोग भी अत्यावश्यक है। जहाँ व्यक्ति जागरूक और प्रशिक्षित हों, उनके मन में अल्लाह का डर तथा इन्सानों की भलाई और सहानुभूति की भावना हो, वहाँ यह काम सरल हो जाता है। अन्यथा अनेक उपायों के बावजूद यात्रा कठिनाइयों से सुरक्षित नहीं हो सकती। क़दम-क़दम पर कष्ट तथा रुकावटों का सामना करना पड़ सकता है। कभी यात्री भयंकर दुर्घटना का शिकार भी हो सकता है। इन सब बातों के अनुभव रात-दिन होते रहते हैं। इस प्रकार की हितकारी सेवाओं के दायित्व का भार इस्लाम के निकट भी राज्य पर ही होता है, परन्तु उसने इस मामले में व्यक्ति को भी सम्मिलित किया है और उसकी भूमिका के महत्त्व को भी स्पष्ट किया है। उसने व्यक्ति को जिन जनहित सम्बन्धी सेवाओं की स्पष्ट शब्दों में शिक्षा दी है उनमें से एक यह है कि वह रास्ते को साफ़ और सुगम रखे और उनपर जो रुकावटें एवं बाधाएँ हों उन्हें दूर करे। लेकिन इसकी अवहेलना ही दिखाई देती है। इस विषय पर आधारित कुछ रिवायतें निम्न में प्रस्तुत की जा रही हैं कि हज़रत अबू हुरैरा रज़ि.से रिवायत है कि अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम ने फरमाया कि "ईमान की सत्तर से अधिक या साठ से अधिक शाखाएँ हैं। उनमें सबसे श्रेष्ठ और ऊँची शाखा 'ला इला-ह इल्लल्लाह' (अल्लाह के अलावा कोई पूज्य नहीं) का कथन है और सबसे छोटी शाखा रास्ते से कष्ट को दूर करना है।

लज्जा (हया) भी ईमान ही की एक शाखा है।"' (मुस्लिम हदीस ग्रंथ) ईमान के संबंध में बुख़ारी हदीस ग्रंथ में बिना सन्देह के कहा गया है कि "ईमान की साठ से अधिक शाखाएँ हैं।" मुस्लिम हदीस ग्रंथ की एक और रिवायत में बिना सन्देह के कहा गया है कि "ईमान की सत्तर से अधिक शाखाएँ हैं।" यह रिवायत अबू दाऊद और तिरमिज़ी आदि में भी है। हदीस के कुछ टीकाकारों के निकट इमाम बुखारी की रिवायत प्रधानता देने योग्य है। क्योंकि साठ से अधिक संख्या पर सभी रिवायतें सहमत हैं, परन्तु कुछ अन्य टीकाकारों ने सत्तर से अधिक की रिवायत को प्रधानता दी है क्योंकि इसमें जो वृद्धि है वह विश्वसनीय रावियों (उल्लेखकर्ताओं) की ओर से है। उनकी ओर से की जानेवाली कोई वृद्धि सदैव स्वीकार की जाती है। हदीस में ईमान की 60 या 70 से अधिक शाखाएँ बयान की गई हैं। इनको एकत्र करने के प्रयत्न भी हुए हैं। इसका सारांश हाफ़िज़ इब्न हजर (रह०) ने बयान किया है। (फ़त्हुल बारी 1/40-41) शायद हदीस का अभिप्राय यह है कि दीन की विस्तृत बातों को 60, 70 से अधिक शीर्षकों के तहत बयान किया जा सकता है। यहाँ उच्चतम और निम्नतम दर्जे का उल्लेख कर दिया गया है। इस विषय पर इमाम बैहक़ी की 'शोबुल ईमान' सबसे विस्तृत पुस्तक है। रास्ते की कष्टकारी वस्तु को हटाने के बारे में एक अन्य हदीस मुस्लिम और बुख़ारी हदीस ग्रंथों में इस प्रकार से मिलती है कि हज़रत अबू हुरैरा रज़ि से वर्णित है कि पैग़म्बर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया कि "एक व्यक्ति ने राह चलते हुए (रास्ते में आई) एक कांटेदार झाड़ी देखी। उसने उसे वहां से हटा दिया।

अल्लाह ने उसके इस कार्य को पसंद किया और उसको बख़्श दिया"। हदीस में व्यक्ति को जन्नत का हक़दार ठहराया है जिसने एक काँटेदार झाडी को काट दिया था जिससे रास्ते में लोगों को कष्ट हो रहा था। परन्तु इस हदीस में रास्ते से केवल एक शाखा के हटाने पर उसकी शुभसूचना दी गई। इसका अर्थ यह है कि लोगों के रास्ते से छोटे से छोटा कष्ट दूर करना और उनको साधारण से साधारण लाभ पहुँचाना भी इन्सान को जन्नत जैसी शाश्वत नेमत का हक़दार बना देता है। यद्यपि इन हदीसों में केवल रास्ते का कष्ट दूर करने का उल्लेख मिलता है, परन्तु इनमें लोगों को लाभ पहुँचाने और उनकी हानि को दूर करनेवाले प्रत्येक कर्म की श्रेष्ठता को चिह्नित किया गया है।" यहाँ यह बात भी सामने रहनी चाहिए कि ये हिदायतें समाज के सभी लोगों को सामने रखकर दी गई हैं, जो कि एक आम आदेश की हैसियत रखता है। किसी भी इन्सान के रास्ते से कष्ट का दूर करना नेकी और सवाब का काम है। अतः इन्हीं रिवायतों में से कुछ में 'अन्नास' (यानी आम लोग) का शब्द प्रयुक्त हुआ है' जो जनसाधारण के लिए है। "हज़रत अबू हुरैरा रज़ि. अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम से उद्धृत करते हैं कि "कोई व्यक्ति मार्ग से कष्ट दूर करता है, तो यह भी एक सदक़ा है।"- बुख़ारी रास्ते से कष्ट दूर करने का जो प्रतिदान (सवाब) बयान हुआ है, इस हदीस से इसका स्पष्टीकरण होता है। सदक़े या दान का उद्देश्य विपत्ति में किसी की सहायता करना और उसे राहत व आराम पहुँचाना है। रास्ते से कष्ट दूर करने का उद्देश्य से यही है कि राही को कष्ट न पहुँचे और वह सकुशल एवं सरलतापूर्वक रास्ते तय कर ले। इस विचार से यह एक सदक़ा या दान है।

रास्ते की कष्ट और बाधाएँ हर प्रकार की होती हैं। उनको दूर करना और राह चलना आसान बनाना एक दीनी और धार्मिक काम है और मुसलमान इसपर उत्कृष्ट अज्र व प्रतिदान की आशा कर सकता है। इसीलिए रास्ते को सुरक्षित रखने के लिए हर संभव प्रयास किए जाना चाहिए ताकि पैदल चलने वाले, वाहन चालक बिना किसी भय या खतरे के उनका उपयोग कर सकें।

रास्ते पर कोई भी ऐसी कार्रवाई जो राहगीरों के जीवन और संपत्ति को खतरे में डालती है, उसे अपराध माना जाता है। इस्लामी शिक्षाओं के मद्देनजर मुस्लिम समुदाय को शरिया कानून के अनुसार यातायात कानूनों का अनुपालन आवश्यक कहा गया है, क्योंकि इसका लक्ष्य सभी के लिए रास्ते को सुरक्षित बनाना है। रास्ते पर कोई भी ऐसी गतिविधि जो यातायात कानूनों का उल्लंघन करती है जैसे कि तेज़ गति से वाहन चलाना, सड़क पर रेस करना, खतरनाक तरीके से ओवरटेक करना, अनावश्यक रूप से हॉर्न बजाना या लाल सिग्नल पार करना जो पैदल चलने वालों और वाहन चालकों के लिए खतरा या असुविधा पैदा करती हैं वे इस्लामी शरीयत के मद्देनज़र अवैध हैं ही देश के कानून द्वारा दंडनीय अपराध भी हैं। मुस्लिम समुदाय को चाहिए कि वे जिन वाहनों का इस्तेमाल करते हैं उन्हें रास्ते पर न खड़ा करें। इससे रास्ता संकरा या अवरुद्ध न हो सकेगा और राहगीर आसानी से गुज़र सकेंगे। रास्ते के मामले में सुरक्षित रहना भी महत्वपूर्ण है; इस्लाम ने इसे बहुत महत्व दिया है ताकि लोग बिना किसी डर या खतरे के इससे गुज़र सकें।

शिक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता: मुस्लिम सशक्तिकरण की कुंजी

हमारा देश भारत, जहां विभिन्न धर्मों, भाषाओं और संस्कृतियों के लोग रहते हैं, में हर समाज के लोगों को समान अधिकार और अवसर मिलने चाहिए। लेकिन वर्तमान में, देश में एक ऐसा माहौल बन रहा है जो धार्मिक अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुसलमानों, को हाशिए पर धकेल रहा है और उन्हें अन्य समाजों से अलग-थलग करने के साथ-साथ अपने ही देश में पराया बनाने की रणनीति को मजबूत कर रहा है। इस परिस्थिति में सवाल उठता है कि इस अन्याय के खिलाफ लड़ाई कैसे लड़ी जाए और अल्पसंख्यक समुदाय अपनी स्थिति को कैसे सुधार सके। मुसलमानों के साथ हो रहे भेदभाव और हिंसा की घटनाएं आज की सच्चाई बन चुकी हैं।

इसके लिए राजनीतिक नीतियों और सामाजिक पूर्वाग्रहों को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। बहुसंख्यकवादी विचारधारा ने न केवल मुस्लिम समुदाय के प्रति नफरत को बढ़ावा दिया है, बल्कि इसे समाज में एक स्वाभाविक स्थिति के रूप में प्रस्तुत किया है। इस नफरत को रोकने और मुसलमानों को मुख्यधारा में लाने के लिए एक ठोस रणनीति की आवश्यकता है। सबसे पहली जरूरत यह समझने की है कि केवल विरोध प्रदर्शन या नारों से समस्या का समाधान नहीं होगा। किसी भी अन्याय के खिलाफ लड़ाई में तीन प्रमुख रास्ते हो सकते हैं। पहला, लेखन और विचार-विमर्श के जरिए अपनी आवाज उठाना। हालांकि, यह तरीका सीमित प्रभाव डालता है क्योंकि इससे केवल उन्हीं लोगों को प्रभावित किया जा सकता है जो पहले से समान विचारधारा रखते हैं। साथ ही, इस तरह की बहसों में अक्सर असली मुद्दे से भटकाने के लिए इतिहास और धार्मिक तर्कों का सहारा लिया जाता है। दूसरा तरीका आंदोलन और प्रदर्शन हो सकता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह प्रभावी माध्यम है, लेकिन जब सत्तारूढ़ दल अल्पसंख्यक समुदाय को केवल वोटों तक सीमित कर दे और बहुसंख्यक समुदाय के नाम पर वोट की राजनीति करे, तो इस प्रकार की रणनीति अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाती। इसके अलावा, मुसलमानों के विरोध प्रदर्शन अक्सर समाज में ध्रुवीकरण को बढ़ावा देते हैं, जिससे बहुसंख्यक समुदाय और अधिक विरोधी हो सकता है। तीसरा और सबसे प्रभावी तरीका यह होगा कि मुसलमान अपनी सामुदायिक छवि को सुधारने और सामाजिक पूर्वाग्रहों को कम करने की दिशा में काम करें। इसके लिए शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मुसलमानों को अपनी ऊर्जा रोजगार, शिक्षा और सामाजिक विकास पर केंद्रित करनी होगी।

शिक्षा के क्षेत्र में, अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों और आधुनिक मदरसों की स्थापना एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। ऐसे संस्थानों को न केवल मुसलमानों के लिए, बल्कि अन्य समुदायों के लिए भी खोलना चाहिए। इसके अलावा, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और जामिया मिलिया जैसे संस्थानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिप्राप्त बनाने की दिशा में प्रयास किए जाने चाहिए। आर्थिक मोर्चे पर, मुसलमानों को अपने संसाधनों का सामूहिक उपयोग करना होगा। आज की परिस्थितियों में, जब सरकारी नीतियां उनके पक्ष में नहीं हैं, तो स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता ही उनकी प्रगति का आधार बन सकती है। कौशल विकास, स्वरोजगार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देकर वे अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं। इतिहास से सबक लेना भी इस संघर्ष का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारतीय समाज में समय-समय पर सुधारवादी आंदोलनों ने बड़े बदलाव लाए हैं।

ब्रह्म समाज, आर्य समाज और अन्य आंदोलनों ने न केवल समाज के भीतर सुधार किया, बल्कि लोगों की सोच को भी बदला। मुसलमानों को भी इसी प्रकार के आंदोलन की आवश्यकता है, जहां प्राथमिकता शिक्षा और सामाजिक सुधार को दी जाए। इसके साथ ही, मुसलमानों को यह समझना होगा कि धार्मिक पहचान को अधिक महत्व देना समाज में अलगाव को बढ़ावा दे सकता है। इसके बजाय, उन्हें अपनी पहचान को शिक्षा, कौशल और सामुदायिक सेवा के माध्यम से मजबूत करना चाहिए। एक और महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि मुसलमानों को यह दिखाना होगा कि वे समाज के लिए उपयोगी और आवश्यक हैं। बॉलीवुड, खेल, और संगीत जैसे क्षेत्रों में मुसलमानों की उपलब्धियां इस बात का प्रमाण हैं कि समाज में प्रतिभा और कौशल को हमेशा सराहा गया है। अगर मुसलमान शिक्षा, चिकित्सा, प्रशासन और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ा सकें, तो उनकी सामाजिक छवि में सुधार होगा। पवित्र कुरान की सूरह रअद आयत नंबर 17 में जीवन के इसी सिद्धांत को बताया गया है कि "दुनिया में वही व्यक्ति स्थापित होता है जो लोगों के लिए उपयोगी होता है।" यही सिद्धांत दुनिया के समुदायों और समाजों पर भी लागू होता है। किसी भी समाज के लिए यह आवश्यक है कि वह आत्मनिरीक्षण करे कि उसके अधिकांश लोग अन्य समाजों के लिए या दूसरे शब्दों में इंसानियत के लिए कितने उपयोगी हैं। सामुदायिक नेतृत्व की भूमिका भी यहां अहम हो जाती है। वर्तमान समय में, मुसलमानों को एक ऐसे नेतृत्व की जरूरत है जो आत्मनिर्भरता, सुधार और आधुनिकता को प्राथमिकता दे। यह नेतृत्व समुदाय को एक नई दिशा में ले जा सकता है, जहां प्राथमिकता संघर्ष के बजाय प्रगति पर हो। आज मुसलमानों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वे अपनी लड़ाई को संघर्ष से सशक्तिकरण की ओर ले जाएं।

यह लड़ाई केवल उनके अधिकारों की नहीं, बल्कि भारत के धर्मनिरपेक्ष चरित्र को बनाए रखने की भी है। मुसलमानों को यह समझना होगा कि उनके प्रयास न केवल उनकी स्थिति को सुधारेंगे, बल्कि समाज में समरसता और एकता को भी मजबूत करेंगे। इसलिए, आवश्यकता इस बात की है कि मुसलमान आत्मनिरीक्षण करें और सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाएं। उन्हें अपनी ऊर्जा को नकारात्मक संघर्ष में लगाने के बजाय सकारात्मक बदलाव की ओर केंद्रित करना होगा। जब तक यह संभव नहीं होता, तब तक नफरत और अन्याय के खिलाफ लड़ाई अधूरी रहेगी।

लेखक: मौलाना ए.आर. शाहीन कासमी: (जनरल सेक्रेटरी, वर्ल्ड पीस ऑर्गनाइजेशन, नई दिल्ली)

कहानी

गोविन्द बैरवा

शहर

सुनील के गाल पर हाथ फेरती हुई, सविता(सुनील की माँ) आँसुओं से भरी आँखें, साड़ी के पल्लू से पोंछकर, दबी आवाज में कहने लगी-''बेटा, अपना ध्यान रखना। दिल तो नहीं चाहता कि तुझे अपनी आँखों से दूर करूँ।'' सविता की सिसकियाँ धीरे-धीरे सुनाई दे रही थी। माँ को गले लगाकर, सुनील विश्वास दिलाता है-''नहीं माँ!, नहीं। अब शहर कोई घटना नहीं जोड़ पाएगा, माँ। मुझे हँसकर विदा करो। आखिर माँ, विनोद भईया को शहर भेजने के लिए, आपने जो रास्ता सुझाया था। उसी रास्ते पर मैं, जा रहा हूँ। मुझे आशीर्वाद देकर विदा करो, माँ।'' सविता कुछ कह नहीं सकी। सूनी आँखों से बेटे को एकटक देखती रही। सुनील, माँ के चरण स्पर्श कर, कमरे से बाहर की तरफ बढ़ने लगता है। सविता, सुनील के पीछे-पीछे दरवाजे तक चली आती है। दरवाजे की चौखट से बाहर निकलकर सुनील, एक बार पलटकर अपनी माँ को देखता है। आँसुओं से भरी हुई, माँ की आँखें, टकटकी लगाए, सुनील को देख रही थी। सविता की आँखों के सुनील ओझल हो जाने के बाद लौटकर आती है, हृदयविराधक घटनाएँ। बीते वर्षों की दुःखदायक घटनाएँ एक-एक करके, सविता की आंखों के सामने प्रकट होती है। बीते वर्षों में हरा-भरा, खुशहाल परिवार था, सविता का। अपने पति व दो बेटों के साथ जीवन में खुश थी। दुःख था, पर कम। कहते है, सुख का दूसरा रूप ही दुःख है। जिसका आना इंसान के बने-बनाए घरोंदे को तिनकों में बिखेर देता है। इंसान चाहकर भी कुछ नहीं कर पाता। वर्षों के प्रयास के फलस्वरूप जीवन में खुशियों का आगमन सुखद रूप सविता के साथ कुछ कदम ही चला था। पर पल में ही आँखों के सामने से खुशियाँ उन रास्तों पर चलने लगी, जहाँ से अपनों की वापसी सम्भव ही नहीं।''माँ!, ओ माँ!। तुम हो तो, ये विनोद है अन्यथा ये जीवन, व्यर्थ है।'' माँ (सविता) से लिपटकर विनोद कहने लगा। विनोद, सविता का बड़ा बेटा था। चल झूठे। माँ की इतनी चिन्ता करता है तो, बार-बार शहर जाने का नाम क्यों? लेता है।'' चेहरे पर बेरूखी उजाकर करती हुई, सविता कहने लगी।शहर जाकर मैं, अच्छा धन कमाऊँगा। धन के अभाव से अधूरी रहती घर की खुशियाँ पूरी होगी माँ।'' विनोद, माँ के सामने शहर की बढ़ाई कर रहा था। सविता, बेटे की प्रतिक्रिया को अनदेखा कर, घर के कार्यों में व्यस्त होने लगती है। विनोद बार-बार माँ के सामने शहर जाने की रट लगाए जा रहा था।जानती हूँ मैं, किशोर ने तेरे सिर पर शहर का भूत सवार किया है, माँ की बात पूरी होने से पहले ही विनोद कहने लगा-''देखा ना माँ, आपने। किशोर शहर जाकर कितना पैसों वाला हो गया हैं। कुछ रोज पहले ही मुझसे मिला था। एक बार तो मैं, पहचान ही नहीं पाया कि मेरे सामने जो खड़ा है, वह किशोर है। नये कपड़े, आँखों पर काला रंग का चश्मा, हाथ में अच्छी घड़ी। ठहर-ठहर, तूने किशोर का शहरी रंग-ढंग देखा है, इसलिए तुझे वो अच्छा लगा। कल ही किशोर की माँ, सुगना मुझसे पाँच सौ रूपये उधार लेने आई थी। मुझसे कह रही थी, किशोर को पैसे भेजने है। पहले की तरह किशोर का सारा खर्च, घर वालों के द्वारा ही तय होता है। क्योंकि किशोर की आमदनी शहर में कम और खर्च शहर का ज्यादा। शहर जाकर किशोर खर्चीला भी हो गया है। विनोद, अनमने से माँ की बात सून रहा था। फिर कुछ सोचकर कहने लगा-''माँ, किशोर तो इतना पढ़ा-लिखा नहीं है। जबकि मैं, बी.ए पास हूँ। उसका खर्चों भी ज्यादा है, और आमदनी भी कम। मेरी योग्यता के अनुरूप मुझे अच्छा रोजगार प्राप्त हो जायेगा।

दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

डॉ. आकांशा रा. गुप्ता B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D
डॉ. पारुल मोहित गुप्ता B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC
डॉ. रचना मयूर गुप्ता B.A.M.S, MD,
डॉ.अतुल तेलरांदे B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D
डॉ. विनोद तिवारी बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है बढ़ कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने जड़ की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सास (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK

बेटे ने की पिता की निर्ममता से हत्या

> हत्या के बाद सबूत मिटाने की कोशिश

ब्रम्हपुरी थाने को फोन पर सूचना दी

पुलिस निरीक्षक प्रमोद बनबले और सहायक पुलिस निरीक्षक नितेश दोर्लिकर, पुलिस कांस्टेबल अरुण पिसे, पुलिस दूरक्षेत्र मेंडकी, अमोल लोन्बुले, रतन लेनागारे और अनुप कावठेकर और मिलिंद नैताम और अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे, उन्होंने तुरंत मृत नामदेव के शव को कब्जे में ले लिया। 32 साल के गाडे को हत्या के आरोप में हिरासत में ले लिया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रीना जनबंध एवं उपविभागीय पुलिस अधिकारी तोशारे ने दौरा कर उचित मार्गदर्शन दिया. उक्त अपराध की जांच पुलिस अधीक्षक मुमक्का सुदर्शन, अपर पुलिस अधीक्षक रीना जनबंध, उपविभागीय पुलिस अधिकारी तोशारे, पुलिस निरीक्षक प्रमोद बनबाले, पुलिस स्टेशन ब्रह्मपुरी, सहायक पुलिस निरीक्षक नितेश दोर्लिकर, पुलिस कांस्टेबल अरुण पिसे, सहा. के मार्गदर्शन में की गई। कावथेकर, रतन लेंगुरे, मिलिंद नैतम, अमोल लोन्बले कर रहे हैं.

ब्रम्हपुरी. बरताकिन्ही गांव के नामदेव लक्ष्मण गाड़े के पुत्र होमराज नामदेव गाड़े ने मंगलवार 11 फरवरी की रात करीब 10 बजे अपने पिता की निर्ममता से हत्या की और हत्या में प्रयुक्त लाठी और खून से सने कपड़ों को सबूत मिटाने की कोशिश की. प्राप्त जानकारी के अनुसार 11 फरवरी में नामदेव का निधन हो गया लक्ष्मण गाडे उनके रिश्तेदार हैं नीलकंठ परसराम वाकडे द्वारा खेत में मटर की फलियाँ तोड़ने चला गया. नीलकंठ परसराम वाकडे के खेत में मटर की फलियाँ वह तोड़ने क्यों गया? ऐसी पूंछताछ आरोपी होमराज नामदेव गाडे द्वारा करने से पिता पुत्र में विवाद बढ़ गया। इस पर पिता-पुत्र में विवाद हो गया हो गया पिता से झगडे के बाद घर में प्रवेश करने के बाद पिताजी के पास लकड़ी का डंडा था, उसी डंडे से सिर पर, बाएँ पैर पर, दाहिने पैर और चेहरे पर चाकू से निर्ममता पूर्वक वार करने से वह गंभीर रूप से घायल हो गये. गंभीर हमले में पिता नामदेव की मृत्यु होने पर साक्ष्य मिटाने के लिए खून के धब्बे और अपने कपड़े छिपाकर और फर्श पर लगे खून को कपड़े से पोंछकर आरोपी हेमराज नामदेव गार्डे 29 वर्षीय पुलिस पाटिल विकेश दादाजी निकुरे के बारदाकिनी स्थित घर गया और बताया कि उसके पिता की मृत्यु हो गई है।
जब पुलिस पाटिल विकास दादाजी निकुरे ने आरोपी के घर जाकर निरीक्षण किया, तो नामदेव लक्ष्मण गाडे का शव खून से लथपथ फर्श पर पड़ा हुआ था। आरोपी परस्पर विरोधी जवाब दे रहे थे। इससे पुलिस पाटिल को संदेह हुआ और जब घर के लोगों ने घटना की जानकारी दी तो पुलिस पाटिल विकास दादाजी बाहर आये।

एटीएम चोर पुलिस की गिरफ्त में

चंद्रपुर.

पुलिस ने एटीएम तोड़ने की तैयारी कर रहे दो लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस उपनिरीक्षक संदीप बछिरे, पुलिस निरीक्षक प्रभावती एकुरके चंद्रपुर शहर पुलिस स्टेशन के पुलिस कर्मचारियों के साथ क्षेत्र में तलाशी अभियान चला रहे थे। पुलिस जब आपराधिक पृष्ठभूमि और मादक पदार्थों के सेवन में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए गश्त कर रही थी, तभी उन्हें गोपनीय सूचना मिली कि कुछ लोग राजीव गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज के सामने पार्क में स्थित एटीएम को तोड़कर चोरी करने की योजना बना रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार अपराध की गंभीरता को देखते हुए पुलिस निरीक्षक प्रभावती एकुरके और पांच पुलिस कर्मचारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन पुलिस को देखते ही तीन लोग भाग गए। पुलिस ने उनका पीछा किया और शिताफी ने दो लोगों को पकड़ लिया तथा उनसे उनके नाम और पते पूछे।

सत्यबीर अनयसिंह सिंह (उम्र 21, निवासी इब्राहिमपुर, जिला फतेहपुर, उत्तर प्रदेश राज्य), 2) दीपांशु राजकरण पटेल (उम्र 19, निवासी बलियारपुर, जिला बंधा, उत्तर प्रदेश राज्य)। उन्हें हिरासत में लिया गया और उनकी सामग्री जब्त कर ली गई। उनके खिलाफ चंद्रपुर पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 310 (4) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस अवसर पर वारदात में शामिल आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई तो उसने आदिलाबाद, करीमनगर, मध्य प्रदेश, भद्रावती (चंद्रपुर) में एटीएम से चोरी करना कबूल किया। उक्त कार्यवाही मुमका सुदर्शन पुलिस अधीक्षक चंद्रपुर, श्रीमती रीना जनबंधु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंद्रपुर, सुधाकर यादव अनुविभागीय पुलिस अधिकारी चंद्रपुर, श्रीमती प्रभावती एकुर्के पुलिस निरीक्षक पुलिस स्टेशन चंद्रपुर शहर, संदीप बछिरे पौपानी, पोहवा सचिन बोरकर, पोहवा संतोषकुमार कनकम, म.पोहवा भावना रामटेके, नापोका कपूरचंद खरवार, पोशी इमरान खान, पोशी दिलीप कुसराम, पोशी रूपेश रणदिवे, पोशी राहुल चिटोडे, विकम मेश्राम अपराध जांच दल, पी.एस. चंद्रपुर शहर के मार्गदर्शन में की गई। पूपानी दत्तात्रेय कोल्ते इस मामले की आगे की जांच कर रहे हैं।

एटीएम चोर पुलिस की गिरफ्त में

चंद्रपुर.

पुलिस ने एटीएम तोड़ने की तैयारी कर रहे दो लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस उपनिरीक्षक संदीप बछिरे, पुलिस निरीक्षक प्रभावती एकुरके चंद्रपुर शहर पुलिस स्टेशन के पुलिस कर्मचारियों के साथ क्षेत्र में तलाशी अभियान चला रहे थे। पुलिस जब आपराधिक पृष्ठभूमि और मादक पदार्थों के सेवन में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए गश्त कर रही थी, तभी उन्हें गोपनीय सूचना मिली कि कुछ लोग राजीव गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज के सामने पार्क में स्थित एटीएम को तोड़कर चोरी करने की योजना बना रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अपराध की गंभीरता को देखते हुए पुलिस निरीक्षक प्रभावती एकुरके और पांच पुलिस कर्मचारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन पुलिस को देखते ही तीन लोग भाग गए। पुलिस ने उनका पीछा किया और शिताफी ने दो लोगों को पकड़ लिया तथा उनसे उनके नाम और पते पूछे। सत्यबीर अनयसिंह सिंह (उम्र 21, निवासी इब्राहिमपुर, जिला फतेहपुर, उत्तर प्रदेश राज्य), 2) दीपांशु राजकरण पटेल (उम्र 19, निवासी बलियारपुर, जिला बंधा, उत्तर प्रदेश राज्य)। उन्हें हिरासत में लिया गया और उनकी सामग्री जब्त कर ली गई। उनके खिलाफ चंद्रपुर पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 310(4) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

इस अवसर पर वारदात में शामिल आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई तो उसने आदिलाबाद, करीमनगर, मध्य प्रदेश, भद्रावती (चंद्रपुर) में एटीएम से चोरी करना कबूल किया।

धान बोनस घोटाला

चामोर्शी नगरसेवक आशीष पिपरे की शिकायतों को शासन प्रशासन नजरअंदाज कर रहा है

गढ़चिरोली.

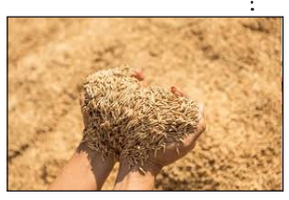

गढ़चिरोली जिले में घी उत्पादन करने वाले किसानों की संख्या बड़ी है और इस वर्ष बोनस वितरण में अनियमितता को रोकने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने सभी किसानों का ऑनलाइन पंजीकरण किया है। उन सभी किसानों के लिए 20,000 रुपये प्रति हेक्टेयर बोनस की घोषणा की गई। इसमें भाजपा के सहकार आघाडी जिला अध्यक्ष आशीष पिपरे ने आरोप लगाया था कि चामोर्शी और मुलचेरा तालुका के कुछ धोखेबाज दलालों ने इसका फायदा उठाकर सरकार की योजना को पलीता लगा दिया है। हालांकि, मुख्यमंत्री और प्रशासन ने इस संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की है, इसलिए संदेह व्यक्त किया जा रहा है कि सरकार और प्रशासन खुद इस घोटाले में शामिल हैं। मुख्यमंत्री को दी गई शिकायत में उन्होंने कहा है कि तालुका क्रय विक्रय संघ मर्या चामोर्शी रजिस्टर नंबर 626 के संचालक मंडल एवं सचिव की मिलीभगत से सैकड़ों किसानों के नाम पर करोड़ों रुपए निकाल लिए गए हैं, जिनमें से प्रत्येक के नाम पर 40 हजार रुपए हैं, ऐसे नागरिकों को किसान दिखाकर, जिनके नाम पर खेत नहीं हैं, कुछ फर्जी व्यक्तियों के नाम पर खेती करने वालों को ठेका किसान दिखाकर, तथा जो छोटे-छोटे जोतदार हैं उनके नाम पर 5 एकड़ खेत दिखाकर, उन किसानों को 1200 रुपए देकर सारा पैसा कुछ दलालों के नाम पर ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिया गया है। जिन किसानों के बैंक खातों में बोनस जमा हो गया है।
पिपरे ने कहा कि ऐसी ही घटनाएं अन्य तहसीलों में भी हुई हैं। यदि उनके बैंक खाते की जांच की जाए तो पूरा घोटाला उजागर हो जाएगा। ऐसा कहा जाता है। उन्होंने इस संबंध में प्रशासन को कुछ साक्ष्य भी उपलब्ध कराए हैं। गढ़चिरोली जिले में विपणन महासंघ के माध्यम से 2023-24 में 33,819 किसानों का ऑनलाइन पंजीकरण किया गया, जिनमें से 85 करोड़ 35 लाख 47 हजार 780 रुपए का बोनस वितरित किया गया। इस बीच, महाराष्ट्र राज्य सहकारी आदिवासी विकास महामंडल गढ़चिरोली प्रादेशिक प्रभाग ने भी 41 हजार 91 किसानों को 106 करोड़ 41 लाख 40 हजार 520 रुपए, ऐसे कुल मिलाकर 74 हजार 910 किसानों को 191 करोड़ 76 लाख 88 हजार 300 रुपए का बोनस दिया। कई बिचौलियों ने सरकार को बड़े पैमाने पर लूटा है और इसमें तालुका क्रय-विक्रय बोर्ड व सचिव के साथ-साथ कुछ धान व्यापारियों की मिलीभगत से एक बड़ी लॉबी शामिल है। तालुका के किसानों की ओर से आशीष पिपेरे ने मांग की है कि जिले में ऑनलाइन पंजीकृत किसानों की जांच की जाए और मामले की तत्काल गहन जांच की जाए तथा आपराधिक मामला दर्ज किया जाए।

रेत माफिया पर चला पुलिस का डंडा

चंद्रपुर. राजुरा और भद्रावती तालुका में रेत चोरों के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। स्थानीय अपराध दस्ते को गश्त के दौरान एक मुखबिर से गोपनीय सूचना मिली, जिसके आधार पर पुलिस ने एक बड़ा जाल बिछाया। प्राप्त जानकारी के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि राजुरा तालुका के मौजा में गोमनी नाले से रेत की अवैध रूप से चोरी और परिवहन किया जा रहा था। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दो ट्रैक्टर और उनमें लदे बालू को जब्त कर लिया। जब्त सामान की कीमत करीब 16 लाख 10 हजार रुपये है। राजुरा पुलिस स्टेशन में तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपी - 1) अरुण श्रीधर मालेकर (उम्र 39, ट्रैक्टर मालिक) 2) शैलेश नामदेव तलांडे (उम्र 24, चालक) 3) संदेश मारोती मुसले (उम्र 26, चालक) और सभी आरोपियों के खिलाफ पुलिस स्टेशन राजुरा में अपराध क्रमांक 123/2014 के तहत मामला दर्ज किया गया है। 56 / 2025 धारा 303 (2) 48 (7) 48 (8) 1966 सह धाराएं 1,2,3 गौण खनिज अधिनियम 1925 सह धारा 130 (1)/177 50 मो. या। क्यों। के तहत मामला दर्ज किया गया। इसके अलावा भद्रावती में भी गुप्त सूचना के अनुसार स्थानीय अपराध शाखा चंद्रपुर ने मौजा मंगली गांव में नाले से रेत चोरी कर ले जा रहे ट्रैक्टर को जब्त कर 6 लाख 60 हजार रुपए नकद जब्त किए। आरोपी 1) समीर बंडू चौधरी (उम्र 21, निवासी मंगली), 2) भरत वसंत बोधेकर (24, निवासी मंगली) को रेत चोरी कर परिवहन करते पकड़ा गया। आरोपियों को गिरफ्तार कर भद्रावती पुलिस स्टेशन के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। नहीं। 39/ 2025 303 (2) 177, 192 मो. या। क्यों। पुलिस सूत्रों के अनुसार मामला दर्ज कर लिया गया है।

रेत माफिया पर पुलिस का डंडा

चंद्रपुर. राजुरा और भद्रावती तालुका में रेत चोरों के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। स्थानीय अपराध दस्ते को गश्त के दौरान एक मुखबिर से गोपनीय सूचना मिली, जिसके आधार पर पुलिस ने एक बड़ा जाल बिछाया। प्राप्त जानकारी के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि राजुरा तालुका के मौजा में गोमनी नाले से रेत की अवैध रूप से चोरी और परिवहन किया जा रहा था। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दो ट्रैक्टर और उनमें लदे बालू को जब्त कर लिया। जब्त सामान की कीमत करीब 16 लाख 10 हजार रुपये है। राजुरा पुलिस स्टेशन में तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपी - 1) अरुण श्रीधर मालेकर (उम्र 39, ट्रैक्टर मालिक) 2) शैलेश नामदेव तलांडे (उम्र 24, चालक) 3) संदेश मारोती मुसले (उम्र 26, चालक) और सभी आरोपियों के खिलाफ पुलिस स्टेशन राजुरा में अपराध क्रमांक 123/2014 के तहत मामला दर्ज किया गया है। 56 / 2025 धारा 303 (2) 48 (7) 48 (8) 1966 सह धाराएं 1,2,3 गौण खनिज अधिनियम 1925 सह धारा 130 (1)/177 50 मो. या। क्यों। के तहत मामला दर्ज किया गया।

इसके अलावा भद्रावती में भी गुप्त सूचना के अनुसार स्थानीय अपराध शाखा चंद्रपुर ने मौजा मंगली गांव में नाले से रेत चोरी कर ले जा रहे ट्रैक्टर को जब्त कर 6 लाख 60 हजार रुपए नकद जब्त किए।

भव्य रक्तदान शिविर में 51 रक्तदाताओं का रक्तदान

राजुरा.

चंद्रपुर जिला युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष शांतनु अजय धोटे के जन्मदिन के अवसर पर श्री राम मंदिर राजुरा में आयोजित भव्य रक्तदान शिविर में 51 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर युवा कांग्रेस की विभिन्न शाखाओं के माध्यम से स्कूली छात्रों को निःशुल्क नोटबुक वितरित की गईं। रक्तदान शिविर का उद्घाटन चंद्रपुर जिला कांग्रेस के जिला अध्यक्ष पूर्व विधायक सुभाष धोटे ने किया. इस अवसर पर कांग्रेस तालुका अध्यक्ष रंजन लांडे, निर्मला कुडमेथे, पूर्व उपसभापति सुनील देशपांडे, नगरसेवक गजानन भटारकर, शहर अध्यक्ष संतोष गटलेवार, महिला शहर अध्यक्ष संध्या चांदेकर, सभापति विकास देवालकर, आदि. रामभाऊ देवाइकर, जिला महासचिव इजाज अहमद, अभिजीत धोटे, निदेशक तिरूपति इंदूरवार, जगदीश बुटले, अनुसूचित जाति प्रभाग कांग्रेस के तालुका अध्यक्ष कोमल फुसाटे, वसंत ताजने, मंगेश गुरुनुले, पूनम गिरसावले, मेघा धोटे, सुमित्राबाई कुचनकर, अर्चना गार्गेलवार, यू. कान. विधानसभा अध्यक्ष उमेश गोनेलवार, यू. कान. तालुका अध्यक्ष इरशाद शेख, जिला महासचिव प्रणय लांडे, आकाश मावलीकर, मधुकर झाडे, विक्रम ठाकुर, अशोक कांबले, खुशाल लोंगडगे, प्रशांत लोधे, सैयद साबिर, निरंजन मंडल, अंकुश पारेकर, श्रीधर रावला, श्रीकांत चित्तलवार, दीपक वाभिटकर और युवा कांग्रेस के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। रक्तदान शिविर के कर्मवीर मा.सा. कन्नमवार सरकारी मेडिकल अस्पताल चंद्रपुर के चिकित्सा अधीक्षक गणेश तुपेकर, तकनीशियन प्रतीक मोटे, डॉ. मयूरी, डॉ. राधाकृष्ण, भाई दुर्गादास ने सहयोग किया।

मुरुम के अवैध खनन का गंभीर मामला

गढ़चिरोली प्रशासन का लचर शासन-प्रधान सचिव का आदेश भी खारिज..

गढ़चिरोली.

गढ़चिरोली जिले के कसनसूर वन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मुरुम के अवैध खनन का गंभीर मामला सामने आया है। इस मामले में दोषी अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश वामन कावले और उनकी पत्नी ने प्रशासन की इस निष्क्रियता के खिलाफ 13 फरवरी से गढ़चिरोली में धरना शुरू करने का कड़ा निर्णय लिया है। इस गंभीर मामले में प्रशासन को बार-बार लिखित शिकायत की गई, भूख हड़ताल की गई, स्मरण पत्र जारी किए गए, लेकिन फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। अंततः न्याय की मांग करते हुए कावले दम्पति ने सीधे महाराष्ट्र वन विभाग के प्रधान सचिव से मुलाकात की और पूरी स्थिति बताई। उनके निर्देशानुसार गढ़चिरोली के मुख्य वन संरक्षक को तत्काल तीन दिन के भीतर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया गया। लेकिन दुर्भाग्यवश प्रशासन ने इस आदेश को भी शायद कचरे के डिब्बे में रख दिया है। क्या यह प्रशासन जनता के लिए काम करता है या भ्रष्ट अधिकारियों को संरक्षण देता है? ऐसा ही एक आक्रोशपूर्ण प्रश्न अब लोगों के मन में उठने लगा है। 10 अक्टूबर 2024 को कावले दम्पति मुख्य वन संरक्षक कार्यालय के सामने भूख हड़ताल पर बैठ गए थे, जिसमें उस समय प्रशासन ने तीन माह के भीतर कार्रवाई करने का लिखित आश्वासन दिया था। लेकिन चार महीने बीत जाने के बाद भी दोषी अधिकारियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इसके विपरीत, यह स्पष्ट है कि इस मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके चलते अब कावले दंपत्ति ने प्रशासन के खिलाफ सीधी लड़ाई छेड़ने का निर्णय लिया है। उन्होंने दृढ़ निश्चय व्यक्त किया है कि यदि आज से गढ़चिरौली में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो धरना-प्रदर्शन और तेज किया जाएगा।
इस घटना ने गढ़चिरोली जिले में प्रशासन की कार्यकुशलता पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर दिया है। सरकारी अधिकारियों, नेताओं और ठेकेदारों की मिलीभगत उजागर हो रही है और यह प्रशासन में भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा है। जब प्रमुख सचिव के आदेश का भी पालन नहीं हो रहा तो आम नागरिक किससे न्याय मांगे? यह प्रश्न कावले दम्पति ने पूछा है। क्या प्रशासन अब तुरंत कार्रवाई करेगा, या कावले दम्पति को न्याय पाने के लिए और कड़ा संघर्ष करना पड़ेगा? पूरे जिले का ध्यान इस ओर आकृष्ट हुआ है।

फिल्म की रिलीज पर अड़े दिलजीत दोसांझ

पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ हमेशा किसी न किसी वजह के चलते सुर्खियों का हिस्सा बने रहते हैं. अपने टूर को लेकर भी दिलजीत दोसांझ काफी लाइमलाइट में छाए रहे. इसके अलावा सिंगर और एक्टर अपनी अपकमिंग फिल्म 'पंजाब 95' को लेकर भी खबरों में छाए रहते हैं. 'पंजाब 95' को कुछ वक्त के लिए डीले किया गया है. फिल्म की रिलीज की देरी के पीछे सीबीएफसी को माना जा रहा है.दरअसल सीबीएफसी की तरफ से अभी तक फिल्म को सर्टिफिकेट जारी नहीं किया गया है. वहीं अब दिलजीत ने फिल्म की रिलीज से पहले एक शर्त रखी है.

दिलजीत ने कुछ महीने पहले ही 'पंजाब 95' की अनाउंसमेंट की थी. हालांकि सेंसर बोर्ड ने मांग की है कि भारत में फिल्म रिलीज करने से पहले मेकर्स को 120 कट लगाने होंगे. दिलजीत और फिल्ममेकर हनी त्रेहान अपनी इस फिल्म 'पंजाब 95' को बिना किसी कट के रिलीज करने के लिए सेंसर बोर्ड से काफी लड़ाई कर रहे हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, दिलजीत दोसांझ ने 'पंजाब 95' की रिलीज से पहले एक शर्त रखी है.

दिलजीत दोसांझ ने हाल ही में एक इंस्टाग्राम लाइव किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर सीबीएफसी फिल्म से सीन काटती है तो वह पंजाब 95 को सपोर्ट नहीं करेंगे. उन्होंने अपने लाइव सेशन के दौरान पंजाबी में बात की. दिलजीत ने कहा, "मुझे उम्मीद है कि फिल्म जल्द ही भारत में रिलीज होगी. मैं केवल उसी फिल्म का समर्थन करूंगा जो बिना किसी कट के पूरी तरह से रिलीज होगी. अगर आप फिल्म को बिना कट के रिलीज करेंगे तो मैं आऊंगा. वरना, कट के साथ कोई फर्क नहीं पड़ता. मुझे उम्मीद है कि कोई हल निकलेगा और फिल्म पंजाब में रिलीज होगी."फिल्म के डायरेक्टर हनी ने भी दिलजीत दोसांझ का लाइव शेयर करते हुए कहा कि अगर 'पंजाब 95' कई कट्स के साथ रिलीज होगी तो वह बतौर डायरेक्टर फिल्म के साथ अपना नाम नहीं जोड़ेंगे.

शॉर्ट ऑफ शोल्डर ड्रेस में परिणीति का सिजलिंग लुक

परिणीति चोपड़ा अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की वजह से सुर्खियां बटोरती हैं. उनके लुक्स भी वायरल रहते हैं. हाल ही में उन्हें स्पॉट किया गया. इस दौरान परिणीति ने हुस्न की बिजलियां गिराईं. वो शॉर्ट ऑफ शोल्डर ड्रेस में नजर आईं. इस लुक में वो कहर ढा रही थीं. उन्होंने हाई हील्स से लुक कंप्लीट किया. परिणीति ने इस लुक के साथ ब्लैक शेड्स लगाए हुए थे. साथ ही मिनिमल जूलरी कैरी की. उन्होंने मेकअप भी लाइट ही रखा. पूरे लुक में परिणीति बेहद सुंदर लग रही थीं. उनकी सोशल मीडिया पर फोटोज वायरल हैं और फैंस लुक के कायल हो रहे हैं. बता दें कि इससे पहले परिणीति का एथनिक लुक काफी चर्चा में रहा था. वो अपने कजिन सिद्धार्थ चोपड़ा की शादी में नजर आई थीं. इस शादी में उन्होंने फ्लोरल स्कर्ट के साथ रेड कलर का टॉप और जैकेट कैरी की थी. लुक को उन्होंने मिडिल पार्टेड हेयरस्टाइल और स्मोकी आईमेकअप से कंप्लीट किया था. वर्क फ्रंट पर परिणीति को फिल्म अमर सिंह चमकीला में देखा गया था. इस फिल्म के लिए परिणीति ने काफी वजन बढ़ाया था. उनकी एक्टिंग को सराहा गया था.

कार्तिक को मिला जी रियल हीरोज अवार्ड्स

जी न्यूज ने जी रियल हीरोज अवार्ड्स 2024 का आयोजन किया, जिसमें बॉलीवुड के साथ साथ पॉलिटिशन, बिजनेस, स्पोर्ट्स और एंटरटेनमेंट के क्षेत्रों में बेहतरीन काम करने वालों को सम्मानित किया जाता है. बॉलीवुड से इस बार अवॉर्ड नाइट में कार्तिक आर्यन छाए रहे. बीते साल कार्तिक आर्यन ने हिंदी सिनेमा को दो बेहतरीन फिल्में दीं, जिसमें चंदू चैंपियन और भूल भुलैया 3 शामिल हैं. इन दोनों फिल्मों ने दर्शकों का दिल जीत लिया था और अब फिल्म चंदू चैंपियन के लिए

अभिनेता को जी न्यूज जी रियल हीरोज अवार्ड्स 2024 में प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है. अभिनेता अनुपम खेर ने कार्तिक आर्यन को इस अवॉर्ड से सम्मानित किया. अनुपम खेर ने इस मौके पर कार्तिक आर्यन का तारीफों के पुल भी बांधे. अभिनेता ने कार्तिक के लिए कहा, 'आप मुझे मेरे शुरुआती दिनों की याद दिलाते हैं. आप एक छोटे शहर से आते हैं, आपने इसे बड़ा बनाया है, और फिर भी, आप अभी भी विनम्रता की भावना रखते हैं. ये आपकी सफलता को दर्शाता है.' अनुपम खेर ने कहा कि कार्तिक आपसे मुझे प्रेरणा मिलती है. आप एक बेहतरीन अभिनेता हैं. कार्तिक आर्यन की तरफ से भी अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर अवॉर्ड के साथ एक फोटो शेयर की गई है, जिसमें अभिनेता अपने घर में ट्रॉफी के साथ पोज देते दिख रहे हैं. इस पोस्ट के साथ एक्टर ने अपने फैंस का धन्यवाद जताया है. वहीं, फैंस भी कार्तिक आर्यन को बधाई दे रहे हैं.

सलमान के साथ ईद पर आ रहे अक्षय

सलमान खान की सिकंदर को लेकर तगड़ा माहौल बना हुआ है. फिल्म ईद पर आ रही है, जिसके लिए फैन्स काफी एक्साइटेड हैं. यूं तो पिक्चर का काम अबतक पूरा नहीं हुआ है, लेकिन जल्द ही कर लिया जाएगा. सलमान खान और रश्मिका मंदाना की फिल्म को ए. आर मुरुगादास डायरेक्ट कर रहे हैं. वहीं प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला हैं. अब सलमान खान की फिल्म के प्रोड्यूसर ने अक्षय कुमार की फिल्म के लिए बड़ा फैसला लिया है. ईद पर सलमान खान के साथ अक्षय कुमार और उनके ये 18 एक्टर्स भी दिखने वाले हैं. पर उनकी कोई फिल्म नहीं आ रही. दरअसल अक्षय कुमार की 'हाउसफुल 5' जून में सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है. फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा रितेश देशमुख, संजय दत्त, फरदीन खान, नाना पाटेकर, चंकी पांडे, जैकी श्रॉफ और डिनो मोरिया शामिल हैं. वहीं, एक्ट्रेसेस में जैकलीन फर्नांडिस, नरगिस फाखरी, सोनम बाजवा, चित्रांगदा और सौंदर्या शर्मा का नाम शामिल है. इसी बीच पता लगा कि इस पिक्चर के ट्रेलर को 'सिकंदर' के साथ अटैच किया जाएगा.

हाल ही में पिंकविला पर एक रिपोर्ट छपी. इससे पता लगा कि साजिद नाडियाडवाला 'सिकंदर' के साथ अक्षय कुमार की 'हाउसफुल 5' का ट्रेलर अटैच कर रहे हैं. यानी मार्च में ही मेकर्स इसके ट्रेलर को यूट्यूब पर भी अपलोड कर देगी. दरअसल जून में पिक्चर रिलीज होने वाली है.

चिरंजीवी का विवादित बयान राम चरण पर किया कमेंट

दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता चिरंजीवी हाल ही में अपने बेटे राम चरण के बारे में दिए गए बयान के चलते विवादों में घिर गए हैं। एक कार्यक्रम में बोलते हुए, मेगास्टार ने मजाक में ये चिंता व्यक्त की कि कहीं राम चरण को दूसरी बेटी नो हो जाए। पोते को लेकर उनकी ये चाहत जैसे ही उजागर हुई लोगों ने उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल करना शुरू कर दिया। एक्टर फिल्म ब्रह्मानंदम के प्री-रिलीज इवेंट में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। चिरंजीवी ने मंच से अपनी "विरासत को आगे बढ़ाने" की इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा-"जब मैं घर पर होता हूं, तो ऐसा नहीं लगता कि मैं अपनी पोतियों से घिरा हुआ हूं; ऐसा लगता है कि मैं महिलाओं के छात्रावास का वार्डन हूं, जिसके चारों ओर महिलाएं हैं। मैं (राम) चरण से कामना करता हूं और कहता हूं कि कम से कम इस बार तो बेटा हो ताकि हमारी विरासत आगे बढ़े, लेकिन उनकी बेटी उनकी आंखों का तारा है... मुझे डर है कि कहीं उन्हें फिर से लड़की न हो जाए।"

उनका ये बयान अब सोशल मीडिया पर वायरल है। लोगों ने उन्हें पितृसत्तात्मक मानसिकता और लिंग आधारित भेदभाव को बढ़ावा देने वाला बताया है। एक एक्स (पूर्व में ट्विटर) यूजर ने इसे "लिंगभेदी मानसिकता" बताया और लिखा-बेटी और बेटे में फर्क करना आज के समय में अस्वीकार्य है। कुछ लोगों ने यह भी याद दिलाया कि बेटियां भी परिवार का नाम रोशन कर सकती हैं।जबकि पहले वो पहले पोती होने पर खुश हुए थे, लेकिन उनका अब वाला बयान चिरंजीवी के कथन से मेल नहीं खाता है। उनकी फैमिली की बात करें तो उनकी दो बेटियां हैं। श्रीजा कोनिडेला और सुष्मिता कोनिडेला हैं। उन दोनों की भी दो-दो बेटियां हैं।हैरानी की बात ये हैं उनमें से अधिकतर सक्सेसफुल हैं मगर फिर भी चिरंजीवी ऐसी बातें कह रहे हैं। बढ़ते विवाद के बीच अब ये देखना दिलचस्प होगा कि क्या चिरंजीवी इस पर कोई सफाई देंगे या नहीं।दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता चिरंजीवी हाल ही में अपने बेटे राम चरण के बारे में दिए गए बयान के चलते विवादों में घिर गए हैं।

मुंबई की तरफ से नागपुर में खेलते नजर आएंगे यशस्वी जायसवाल

रणजी ट्रॉफी 17 से वीसीए स्टेडियम जामठा में

नागपुर.

भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने यशस्वी जायसवाल को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए चुना था। लेकिन 11 फरवरी को जब बोर्ड ने अंतिम भारतीय दल का ऐलान किया तो उसमें यशस्वी जायसवाल का नाम मुख्य स्क्वाड में नहीं था। उन्हें रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर शामिल किया गया है। टीम इंडिया से बाहर होते ही यशस्वी जायसवाल अब बड़े टूर्नामेंट में भाग लेने की तैयारी हैं। टीम इंडिया से बाहर होते ही यशस्वी जायसवाल अब रणजी ट्रॉफी खेलेंगे। मुताबिक जायसवाल मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल खेलेंगे। सेमीफाइनल मुकाबला 17 फरवरी से नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाना है। ये मैच विदर्भ और मुंबई के बीच होने वाला

है।जायसवाल की वापसी से मुंबई टीम मजबूत होगी। वह सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेलते हुए नजर आएंगे। हालांकि जायसवाल ने इस सीजन रणजी में अपना आखिरी मुकाबला जम्मू कश्मीर के खिलाफ खेला था, जिसमें मुंबई की ओर से रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर ने भी खेला था। हालांकि इस मैच में जायसवाल अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाए थे और जम्मू ने मुंबई को हराया था। वहीं दूसरी ओर सूर्यकुमार यादव विदर्भ के खिलाफ होने वाले मुकाबले से बाहर हो सकते हैं। क्योंकि क्वार्टर फाइनल मैच में सूर्यकुमार यादव को हरियाणा के खिलाफ खेले गए मुकाबले में चोट लग गई थी। हालांकि सूर्या ने इस मैच की दूसरी पारी में शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 86 गेंदों में 70 रन बनाए थे। मुंबई की ओर से खेलते हुए जायसवाल ने पिछले मैच की पहली पारी में 4 और 26 रन बनाए थे। इसके अलावा इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए वनडे मैच में उन्होंने 15 रन बनाए थे। जायसवाल इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर सके, जिसकी वजह से इस खिलाड़ी को चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर कर दिया गया।चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के लिए सलामी बल्लेबाज की भूमिका रोहित शर्मा और शुभमन गिल संभालेंगे।

पाक की ट्राई सीरीज का फ़ाइनल मुक़ाबला आज

लाहौर. पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेली जा रही ट्राई सीरीज का फ़ाइनल मुक़ाबला आज खेला जाएगा। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच यह मैच लाहोर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय समय के अनुसार यह मैच दोपहर ढाई बजे से शुरू होगा। ऐसे में आइए इस मैच से पहले जानते हैं लाहोर की पिच और मौसम का हाल।लाहौर की पिच पाटा होती है और यहां गेंदबाजों के लिए कुछ खास नहीं होता। इस मैदान पर हमेशा हाई स्कोरिंग मुक़ाबले होते हैं। हालांकि, मैच जैसे -जैसे आगे बढ़ेगा ओस बड़ा प्रभाव डालेगी। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले फील्डिंग का फैसला ले सकती है। इस पिच पर तेज गेंदबाजों को इतनी मदद नहीं मिलेगी। कीवी टीम में दो स्पिनर दिख सकते हैं। वहीं पाक टीम में सिर्फ एक ही स्पिनर है। लाहौर में सुबह हल्के बादल छाए रहने की संभावना है, लेकिन बारिश की कोई उम्मीद नहीं है।

2008 से 2025 तक ये दिग्गज रहे आरसीबी के कप्तान

नई दिल्ली.

भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ को 2008 में आईपीएल के पहले सीजन में आरसीबी का कप्तान नियुक्त किया गया था। जैक कैलिस, जहीर खान, डेल स्टेन और अनिल कुंबले जैसे कुछ दिग्गज नामों के बावजूद, आरसीबी का टूर्नामेंट में निराशाजनक प्रदर्शन रहा। अगले कुछ सालों में, आरसीबी की कप्तानी में अस्थिरता देखी गई और उनके पास अनिल कुंबले सहित तीन और कप्तान थे जिन्होंने उन्हें आईपीएल 2009 में फाइनल तक पहुंचाया। इस सीजन केविन पीटरसन ने भी टीम की कमान संभाली थी। आरसीबी के लिए आईपीएल 2013 से पहले एक बड़ा बदलाव आया जब विराट कोहली ने डैनियल विटोरी से स्थायी आधार पर कप्तानी की भूमिका संभाली। फ्रेंचाइजी ने कुछ बेहतरीन आईपीएल मोमेंट्स के साथ-साथ दुनिया भर में फैंस के मामले में नई ऊंचाइयां हासिल की। विराट ने आईपीएल 2022 से पहले आरसीबी की कप्तानी छोड़ दी जिसके बाद फ्रेंचाइजी ने फाफ डु प्लेसिस को अपना नया कप्तान नियुक्त किया जो अगले दो सालों तक इस भूमिका में रहे। आईपीएल इतिहास की सबसे ज्यादा फैन बेस वाली टीमों में से एक रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर यानी कि आरसीबी ने अपने नए कप्तान का ऐलान कर दिया है। आरसीबी के लिए आईपीएल 2025 में स्टार बल्लेबाज रजत पाटीदार कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। आरसीबी ने इसका ऐलान गुरुवार को किया। पाटीदार साल 2022 से आरसीबी की टीम का हिस्सा हैं और सिर्फ 2 साल के तगड़े खेल के बाद ये खिलाड़ी आरसीबी का कप्तान बनने में कामयाब रहे हैं। रजत पाटीदार ने यहां तक का रास्ता बेहद कठिनाइयों के साथ नापा है।आरसीबी की टीम को आईपीएल 2025 से पहले एक नया कप्तान मिल चुका है। आरसीबी ने इस साल आईपीएल की शुरुआत से ठीक पहले रजत पाटीदार को ये जिम्मेदारी सौंपी है। रजत वही खिलाड़ी हैं जिन्हें आरसीबी ने साल 2022 में सिर्फ 20 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया था।

अफरीदी समेत 3 खिलाड़ियों पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली.

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के तीन खिलाड़ियों पर आईसीसी ने बड़ा एक्शन लिया है। ट्राई सीरीज में 12 फरवरी को पाकिस्तान बनाम साउथ अफ्रीका के बीच मुकाबला खेला गया था। इस मैच में आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने पर तीन खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाया है। इन तीन खिलाड़ियों में शाहीन अफरीदी, सऊद शकील और कामरान गुलाम शामिल हैं।तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी पर संहिता की धारा 2.12 के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा कामरान गुलाम और सऊद शकील पर संहिता की धारा 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। दोनों के ऊपर 10 प्रतिशत मैच फीस की कटौती की गई है।

पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच खेले गए ट्राई नेशन सीरीज के तीसरे मैच के 28वें ओवर के दौरान शाहीन अफरीदी औरमैथ्यू ब्रीट्जके के बीच तीखी नोक झोंक हुई थी। अफरीदी ने अपना आपा खो दिया था और मैथ्यू के पास बहस करने चले गए थे। इसके बाद अगली गेंद पर जब मैथ्यू ब्रीट्जके सिंगल ले रहे थे। तब इस दौरान अफरीदी ने उन्हें रोकने का प्रयास किया था। दोनों खिलाड़ियों के बीच बीच शारीरिक संपर्क हुआ और तीखी नोकझोंक हुई थी।इसके बाद 29वें ओवर में टेम्बा बावुमा रन आउट हो गए थे। इस दौरान कामरान गुलाम और सऊद शकील बावुमा के पास जश्न मनाने के लिए पहुंचे।

क्या न्यूजीलैंड टीम कर पाएगी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 कब्ज़ा?

नई दिल्ली. चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज होने में एक हफ्ते से भी कम समय शेष है। मिनी वर्ल्ड कप के नाम से मशहूर चैंपियंस ट्रॉफी का आखरी संस्करण 2017 में खेला गया था, जिसमें पाकिस्तान चैंपियन बना था। उस दौरान पाकिस्तान की टीम ने फाइनल मुकाबले में भारत को 180 रनों से हराया था।

इस बार हाईब्रिड मॉडल पर खेली जा रही है, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी पाकिस्तान कर रहा है। इस मेगा इवेंट में 8 टीम हिस्सा ले रही हैं, जिसमें भारत, पाकिस्तान, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यजीलैंड, साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश और अफ़ग़ानिस्तान शामिल हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हिस्सा लेने वाली सभी टीम पूरी तरह से तैयार हैं। इससे पहले आज हम आपको टूर्नामेंट की बड़ी दावेदार मानी जा रही.

चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हुए 11 खिलाड़ी

नई दिल्ली.

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की उलटी गिनती शुरू है. और, उससे पहले खिलाड़ियों के टूर्नामेंट से बाहर होने का सिलसिला भी जारी है. बाहर हो चुके खिलाड़ियों की अब एक लंबी लिस्ट बन चुकी है. चैंपियंस ट्रॉफी में कुल 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं.और, तकरीबन हरेक से खिलाड़ी बाहर हुए हैं. आइए एक नजर डालते हैं उन 11 खिलाड़ियों पर जो अब तक चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर हो चुके हैं या यूं कहें कि वो अगर मिल जाएं तो एक खुद की अलग प्लेइंग इलेवन बना सकते हैं.

जसप्रीत बुमराह

चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने वाले खिलाड़ियों की कतार में शामिल भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, पहले बेशक ना हों, मगर उनमें एक जरूर हैं. लोअर बैक इंजरी के चलते बुमराह के बाहर होने से टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है. बुमराह के

ना होने से उसकी गेंदबाजी की ताकत घटी है.

पैट कमिंस

पैट कमिंस को एंकल इंजरी के चलते चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होना पड़ा है. उनके बाहर होने से ऑस्ट्रेलिया के पेस अटैक को तो झटका लगा ही है, ,साथ ही टूर्नामेंट में उसे अपना कप्तान भी बदलना पड़ा है.

मिचेल स्टार्क

बाएं हाथ के ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के बाहर होने से ऑस्ट्रेलिया का पेस अटैक चैंपियंस ट्रॉफी में और चरमराया दिख रहा है. उन्होंने निजी वजहों से अपना नाम वापस लिया है.

जॉश हेजलवुड

अगर हम कहें कि चैंपियंस ट्रॉफी से सबसे ज्यादा बाहर होने वाले खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया टीम के हैं तो जवाब शायद गलत नहीं होगा. जॉश हेजलवुड चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने वाले एक और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं. उन्हें हिप इंजरी है.

मिचेल मार्श और मार्कस स्टोइनिस

चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की कड़ी में अगला नाम ऑलराउंडर मिचेल मार्श का है. मार्श को भी इंजरी है, जिसके चलते उन्हें टूर्नामेंट से हटना पड़ा है. मार्कस स्टोइनिस ने तो चैंपियंस ट्रॉफी में चुने जाने के बाद वनडे से संन्यास ही ले लिया.

एनरिक नॉर्खिया और गेराल्ड कोएत्ज

द.अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्खिया और गेराल्ड कोएत्ज भी इंजरी के चलते चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर हो गए हैं. गेराल्ड को लेफ्ट हैमस्ट्रिंग हैं.

अल्लाह गजनफर

18 साल के अफगानिस्तान के स्पिनर अल्लाह गजनफर का नाम भी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में दर्ज हो गया है. उन्हें फ्रैक्चर है.

जैकब बेथेल

इंग्लैंड के बैटिंग ऑलराउंडर जैकब बेथेल हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते चैंपियंस ट्रॉफी की टीम से बाहर हुए हैं.उनकी जगह टीम में टॉम बैंटन ने ली है.

सैम अयूब

पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज एंकल इंजरी के चलते उन्हें टीम में चुना ही नहीं गया. इंजरी से पहले वो पाक टीम के रेग्यूलर मेंबर थे.

संरक्षण आयोग 'बाल संरक्षण अभियान' चलाएगा

बाल यौन शोषण की घटनाओं को रोकने के प्रयास

मुंबई.

महाराष्ट्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग बच्चों के अधिकारों की रक्षा और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए 'बाल संरक्षण अभियान' चलाएगा। साथ ही राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष सुशीबेन शाह ने आज मंत्रालय में एक संवाददाता सम्मेलन में घोषणा की कि 'बाल मित्र पुरस्कार' दिया जाएगा। मुंबई और महाराष्ट्र में बाल यौन शोषण की घटनाओं को रोकने के लिए माता-पिता, शिक्षकों, पुलिस, सामाजिक संगठनों और प्रशासन के बीच संचार, समन्वय और जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है और इसे ध्यान में रखते हुए, यह पहल राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा कार्यान्वित की जाएगी, ऐसी जानकारी सुशीबेन शाह ने दी। बता दें कि आयोग बाल यौन शोषण की घटनाओं में वृद्धि को रोकने के लिए काम कर रहा है। अधिकांश मामलों में आरोपी, पीड़ित बच्चे का परिचित ही होता है।

यह देखा गया है कि रिपोर्ट दर्ज होने के डर और सामाजिक दबाव के कारण कई मामलों को दबा दिया जाता है। इस मामले में रिपोर्टिंग की दर बढ़ाना, स्कूलों में बाल दुर्व्यवहार को रोकने के लिए निवारक उपाय और प्रभावी प्रतिक्रिया प्रणाली स्थापित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। अध्यक्ष शाह ने बताया कि आयोग अभिभावकों, शिक्षकों, पुलिस, सामाजिक संगठनों एवं प्रशासन के बीच संवाद एवं समन्वय बढ़ाने तथा जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए बाल संरक्षण अभियान चला रहा है। अभियान का शुभारंभ 17 फरवरी 2025 को दोपहर 2:00 बजे, सह्याद्री गेस्ट हाउस, मालाबार हिल, मुंबई में स्कूल शिक्षा मंत्री द्वारा किया जाएगा। यह दादा भुसे और विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोरहे की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर 'बाल संरक्षण अभियान' के तहत तैयार सूचनात्मक पोस्टरों का अनावरण किया जाएगा तथा बाल शिकायतों के निवारण के लिए विकसित एवं उन्नत 'बाल मित्र चिराग ऐप' का शुभारंभ किया जाएगा।

आयोजित की जाएंगी बाल संरक्षण अभियान कार्यशालाएं

यह पहल फरवरी और मार्च 2025 के दौरान पूरे महाराष्ट्र में लागू की जाएगी। साथ ही मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, ठाणे, नागपुर, अकोला, नासिक, पुणे और छत्रपति संभाजीनगर जिलों में बाल संरक्षण अभियान कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। इस पहल में प्रत्येक जिले में 150 लोगों को प्रशिक्षित किया जाएगा, जिसमें शिक्षक, अभिभावक, अभिभावक-शिक्षक संघ के प्रतिनिधि और चयनित छात्र शामिल होंगे।

शाइना एनसी ने खोली संजय राउत की पोल

मुंबई.

महाराष्ट्र की राजनीति के चाणक्य कहे जानेवाले राकां नेता शरद पवार अपनी सियासी गुगली के लिए मशहूर हैं। मंगलवार को पवार ने दिल्ली में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री व शिवसेना के प्रमुख नेता एकनाथ शिंदे को सम्मानित किया। इस दौरान शरद पवार ने एकनाथ शिंदे की जमकर तारीफ की। जो महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी को रास नहीं आ रही है। इस बीच शिवेसना नेता शाइना एनसी ने भी संजय राउत की टिप्पणी पर उन्हें जमकर सुनाया है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार से महादजी शिंदे राष्ट्र गौरव पुरस्कार मिलने पर शिवसेना नेता शाइना एनसी ने कहा, "संजय राउत हर सुबह अपनी सामान्य हंसी-मजाक से शुरू करते हैं। मुझे लगता है कि ये उनमें जलन की भावना और साजिश है। उन्होंने संजय राउत को हो रही दिक्कत के बारे में बात करते हुए कहा, "राष्ट्र गौरव पुरस्कार एकनाथ शिंदे को धरती के बेटे और महाराष्ट्र के प्रतिनिधि के रूप में दिया गया था। दिल्ली में 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन में शरद पवार द्वारा एकनाथ शिंदे को पुरस्कार दिए जाने से संजय राउत को बहुत परेशानी है। सांसद संजय राउत ने दिल्ली में आयोजित सम्मेलन के दौरान राजनीतिक लॉबिंग का गंभीर आरोप लगाया है। शिंदे को पुरस्कार देने का विरोध करते हुए राउत ने कहा कि वे किसी को भी पुरस्कार दे रहे हैं, किसी को भी किसी भी तरह से सम्मानित कर रहे हैं। साहित्य से उनका (एकनाथ शिंदे) क्या रिश्ता है?

महिला ने कथित तौर पर की आत्महत्या

मुंबई.

ठाणे जिले में डिप्रेशन से पीड़ित 29 साल की एक महिला ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली. पुलिस ने गुरुवार को ये जानकारी दी है. उन्होंने बताया कि महिला ने मंगलवार शाम को डोंबिवली टाउनशिप के मानपाड़ा इलाके में अपने घर में पंखे से लटककर जान दे दी. मानपाड़ा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि महिला का चार बार गर्भपात हो चुका था. इसके कारण वह मां न बन पाने से दुखी थी. पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस महिला के घर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा. महिला के पति द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया गया है. बता दें कि बड़ी संख्या में डिप्रेशन के शिकार लोग आत्महत्या की ओर बढ़ जाते हैं. बीते साल गाजियाबाद से ऐसा ही मामला सामने आया था जहां 24 साल के एक युवक ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया. वह डिप्रेशन में था और तीन साल से उसका इलाज चल रहा था. युवक उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल का रहने वाला था. एजेंसी के मुताबिक, युवक की पहचान पौड़ी गढ़वाल के देवराना गांव के रहने वाले सक्षम दत्त के रूप में हुई. डीसीपी निमिष पाटिल ने कहा कि पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अस्पताल ले गई, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया.

शिवाजीनगर में निर्माण होगा आधुनिक बस स्टैंड

अजित पवार ने की समीक्षा

मुंबई. पुणे शहर के परिवहन के दृष्टिकोण से शिवाजीनगर बस स्टैंड का पुनर्विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे समय पर तथा उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाना चाहिए। सार्वजनिक-निजी भागीदारी यानी मॉडल पर आधारित इस परियोजना को प्रभावी और निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के लिए महामेट्रो और राज्य सड़क परिवहन महामंडल को समन्वय में कार्य करने की आवश्यकता है।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने यह निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि परियोजनाओं के लिए अच्छे डेवलपर प्राप्त करने हेतु 99 साल के अनुबंध का प्रस्ताव तत्काल कैबिनेट बैठक में प्रस्तुत किया जाए। शिवाजीनगर स्थित महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन महामंडल के बस स्टैंड के पुनर्विकास को लेकर आज मंत्रालय में उपमुख्यमंत्री कार्यालय के समिति कक्ष में उपमुख्यमंत्री तथा वित्त एवं योजना मंत्री अजित पवार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, राज्य परिवहन राज्यमंत्री माधुरी मिसाल, विधायक सिद्धार्थ शिरोले, योजना विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजगोपाल देवरा, वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव ओ.पी. गुप्ता, नगर विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव असीमकुमार गुप्ता, महामेट्रो के प्रबंध निदेशक श्रावण हर्डीकर (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से), महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन महामंडल के प्रबंध निदेशक डॉ. माधव कुसेकर, परिवहन विभाग के संयुक्त सचिव राजेंद्र होळकर और नगर विकास विभाग के संयुक्त सचिव विजय चौधरी उपस्थित थे। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि शिवाजीनगर बस स्टैंड के पुनर्निर्माण का निर्णय पुणे शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। इस परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए महामेट्रो और राज्य सड़क परिवहन महामंडल को समन्वय से कार्य करना चाहिए।

यह परियोजना निर्धारित समय सीमा में पूरी हो, इसके लिए आवश्यक समझौता ज्ञापन तुरंत तैयार किया जाए, ताकि महाराष्ट्र दिवस (1 मई 2025) को इस परियोजना का भूमि पूजन किया जा सके। इस परियोजना के माध्यम से पुणे के नागरिकों को जल्द ही तेज और सुगम परिवहन सुविधाएं प्राप्त होंगी। परियोजना की वित्तीय व्यवस्था को बस स्टैंड की भूमि पर उपलब्ध चटाई क्षेत्र का उपयोग करके सुगम बनाया जाएगा, और इसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी यानी मॉडल के तहत लागू किया जाएगा। महामेट्रो इस परियोजना के कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में कार्य करेगा, और महामेट्रो तथा राज्य सड़क परिवहन महामंडल के बीच एक नया समझौता ज्ञापन किया जाएगा।

पूर्व मंत्री ने फ्लाइट को आधे रास्ते से वापस बुलावाया

मुंबई.

पुणे से बैंकॉक जा रहे एक चार्टर्ड फ्लाइट के यात्रियों को उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब विमान अचानक वापस पुणे की ओर मुड़ गया. ये कोई तकनीकी वजह या मेडिकल इमरजेंसी नहीं थी, बल्कि पूर्व मंत्री की मांग के बाद फ्लाइट वापस हो रही थी. दरअसल, महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री तानाजी सावंत के बेटे ऋषिराज सावंत अपने दो दोस्तों के साथ बैंकॉक जा रहे थे, लेकिन फ्लाइट को आधे रास्ते से ही वापस बुला लिया गया. एजेंसी के अनुसार, पुणे पुलिस को सोमवार की शाम 4 बजे एक कॉल मिला, जिसमें दावा किया गया कि ऋषिराज सावंत को अज्ञात लोगों ने अगवा कर लिया है. कॉल मिलने के बाद पुलिस तुरंत एक्टिव हो गई. चूंकि मामला हाई-प्रोफाइल था, तो आनन-फानन में छानबीन होने लगी. पूर्व मंत्री तानाजी सावंत खुद पुलिस कमिश्नर के पास पहुंचे और बेटे ऋषिराज सावंत को ढूंढने की गुहार लगाई. इसके बाद जब पुलिस ने छानबीन की तो पता चला कि ऋषिराज अगवा नहीं हुए थे, बल्कि अपने दोस्तों के साथ बैंकॉक जाने के लिए एक चार्टर्ड फ्लाइट में सवार हो चुके थे. इसके बाद पुलिस और एविएशन अथॉरिटी ने मिलकर एयरलाइन से संपर्क किया और विमान को वापस पुणे लौटने का निर्देश दिया. पहले तो पायलट और क्रू को यह कॉल मजाक लगा, लेकिन जब उन्हें डीजीसीए और नागरिक उड्डयन मंत्रालय से पुष्टि हुई कि यह मामला गंभीर है, तो फ्लाइट को वापस मोड़ दिया गया. उस समय विमान अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के पास उड़ान भर रहा था.

आरोपी की पुलिस हिरासत में मौत पर फैसला सुरक्षित

मुंबई. सलमान खान के घर फायरिंग मामले में आरोपी अनुज थापन की पुलिस हिरासत में मौत मामले में सुनवाई पूरी कर बॉम्बे हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है. पीठ ने कहा कि पीठ समय आने पर अपना फैसला सुनाएगी. अनुज थापन की मां रीता देवी ने 3 मई को हाईकोर्ट में दायर अपनी याचिका में साजिश का आरोप लगाया और दावा किया कि उनके बेटे की हत्या की गई है. थापन की मां का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता निशांत राणा और संदीप कटके ने बुधवार को स्वीकार किया कि उन्हें मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट की एक प्रति और सीआईडी द्वारा सौंपी गई एक अंतरिम रिपोर्ट मिली है, जो मौत के लिए दर्ज दुर्घटना मृत्यु रिपोर्ट (एडीआर) की भी जांच कर रही है. अंतिम तर्क के दौरान प्रस्तुत किया गया कि यह एक हत्या थी, जिसे आत्महत्या करार दिया जा रहा है. याचिका में हिरासत में मौत के मामले में सीबीआई द्वारा जांच की मांग की गई थी.अधिवक्ता राणा की दलीलों के बाद न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और डॉ नीला गोखले की पीठ ने कहा, 'आदेश के लिए मामला बंद कर दिया गया है.' पीठ सही वक्त पर अपना फैसला सुनाएगी.. अनुज थापन को क्राइम ब्रांच ने 14 अप्रैल, 2024 को अभिनेता सलमान खान के घर पर हुई फायरिंग मामले में गिरफ्तार किया था. जबकि इस मामले में शूटर विक्की गुप्ता और सागर पाल को गुजरात से गिरफ्तार किया था. पुलिस ने थापन को 26 अप्रैल को पंजाब से इस मामले से जुड़े एक अन्य व्यक्ति के साथ गिरफ्तार किया गया था. पुलिस का दावा है कि थापन ने खुदकुशी की है, जबकि उसकी मां रीता देवी ने 3 मई को हाईकोर्ट में दायर अपनी याचिका में साजिश का आरोप लगाया और दावा किया कि उसकी हत्या की गई है. हालांकि, पिछली सुनवाई के दौरान मजिस्ट्रेट की जांच रिपोर्ट देखने के बाद पीठ ने पूछा था, "निष्कर्षों से पता चलता है कि वह अकेले बाथरूम में गया, उस बाल्टी पर खड़ा हुआ और फिर उसने खुद को फांसी लगा ली. हमें कोई उचित स्पष्टीकरण बताएं. जब 18 वर्षीय लड़का मामले में मुख्य आरोपी भी नहीं है, तो कोई उसे क्यों मारना चाहेगा? पीठ ने कथित आत्महत्या के समय के आसपास की अपराध शाखा की सीसीटीवी फुटेज देखी और कहा कि इससे यह संकेत नहीं मिलता कि शौचालय में थापन के साथ कोई था और फोटो से ऐसा कुछ भी नहीं पता चलता कि उसने संघर्ष किया या विरोध किया.

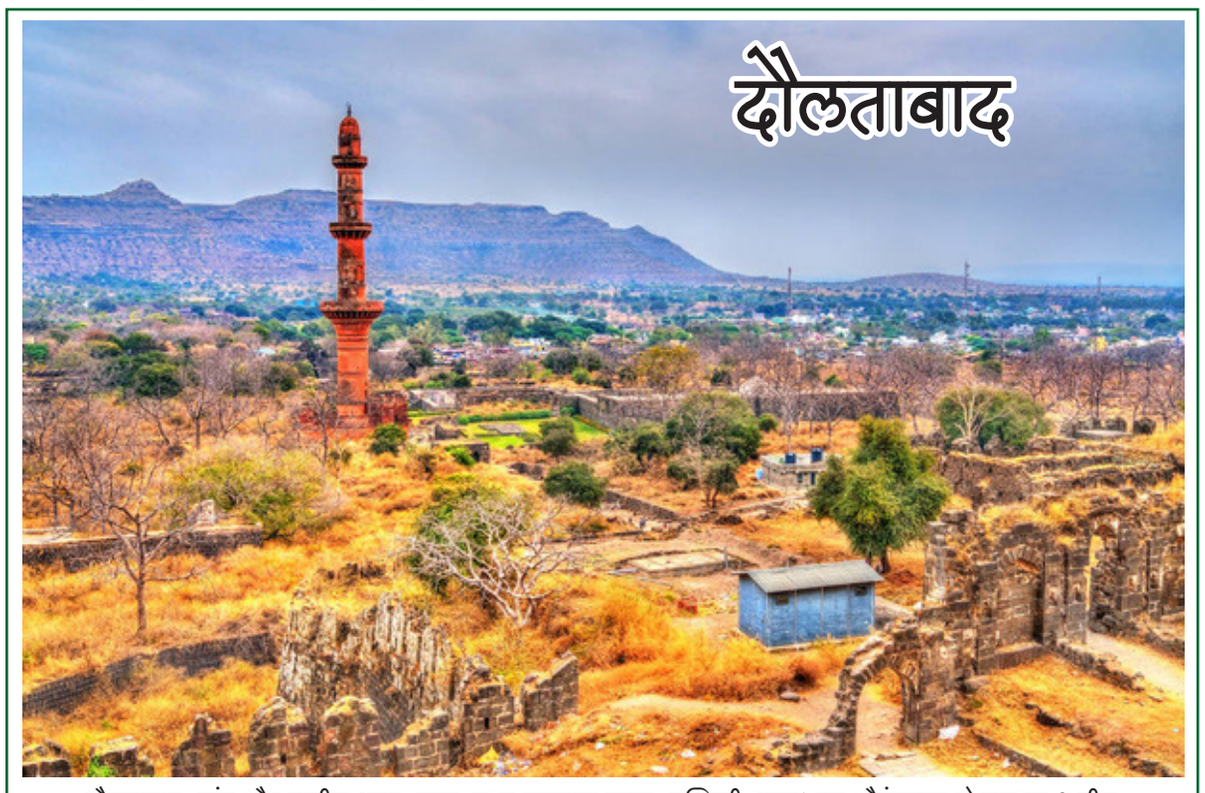

दौलताबाद, गांव और प्राचीन शहर, उत्तर-मध्य महाराष्ट्र राज्य, पश्चिमी भारत। यह औरंगाबाद से लगभग 8 मील (13 किमी) उत्तर-पश्चिम में एक पहाड़ी क्षेत्र में स्थित है। इस शहर की स्थापना 12वीं शताब्दी के अंत में राजा भीलम ने की थी। यादव वंश के दौरान यह किला सदियों तक एक प्रमुख किला और प्रशासनिक केंद्र रहा।

सुको ने इंद्राणी मुखर्जी की विदेश यात्रा याचिका खारिज की

मुंबई. सुप्रीम कोर्ट ने शीना बोरा हत्याकांड की आरोपी उसकी मां इंद्राणी मुखर्जी की विदेश यात्रा की अनुमति देने के अनुरोध वाली याचिका खारिज कर दी। इंद्राणी ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने भी उसे विदेश यात्रा की अनुमति नहीं दी थी। जस्टिस एम. एम. सुंदरेश और जस्टिस राजेश बिंदल की बेंच ने निचली अदालत को निर्देश दिया कि वह मामले की कार्यवाही एक साल के भीतर पूरी करे। बेंच ने कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि आप वापस आएंगी।

कांग्रेस नेतृत्व ने स्वीकार किया नाना पटोले का इस्तीफा

मुंबई. कांग्रेस ने ओडिशा में पूर्व मंत्री भक्त चरण दास का प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपने के बाद महाराष्ट्र के नए चीफ का तय कर लिया है। पार्टी ने विधानसभा चुनावों में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद नाना पटोले की तरफ से दिए गए इस्तीफे को मंजूर कर लिया है। सूत्रों की मानें तो पार्टी अगले कुछ दिनों में नए अध्यक्ष के नाम की घोषणा कर सकती है। नाना पटोले के उत्तराधिकारी के तौर पर बुलढाणा से आने वाले हर्षवर्धन सपकाल का नाम तय माना जा रहा है। अगर हर्षवर्धन पार्टी के नए प्रदेश अध्यक्ष बनते हैं तो यह पद विदर्भ के नेता के पास ही रहेगा। हर्षवर्धन पश्चिमी विदर्भ क्षेत्र से आते हैं। उन्हें राहुल गांधी का करीबी माना जाता है।

हर्षवर्धन सपकाल का राजनीतिक जीवन जमीनी स्तर से शुरू हुआ है, जिला परिषद सदस्य से लेकर विधायक तक। वह 1999 से 2002 तक जिला परिषद के अध्यक्ष रहे। उस समय वे महाराष्ट्र के सबसे युवा अध्यक्ष के रूप में जाने जाते थे। वह 2014 से 2019 के बीच कांग्रेस के विधायक भी रहे। चूंकि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों की पृष्ठभूमि में प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति की जा रही है, इसलिए नए अध्यक्ष के सामने इन चुनावों को जीतने की बड़ी चुनौती होगी। हर्षवर्धन सपकाल वर्तमान में कांग्रेस के राजीव गांधी पंचायत राज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उन्होंने महात्मा गांधी और विनोबा भावे की विचारधाराओं पर आधारित ग्राम स्वराज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सपकाल को सर्वोदय विचारों पर आधारित राष्ट्र निर्माण युवा शिविरों के आयोजन, ग्राम स्वच्छता अभियानों में सक्रिय भागीदारी और आदर्श ग्राम आंदोलन का अनुभव है।

22 लाख का हाइब्रिड गांजा बरामद

मुंबई. ठाणे में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से 22.28 लाख रुपये का हाइब्रिड गांजा बरामद किया गया. पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर आरोपियों की घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया गया. एजेंसी के अनुसार, ठाणे के शाहद इलाके में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर नजर रखनी शुरू की. इस दौरान दो युवक संदिग्ध तरीके से घूमते नजर आए. पुलिस को उन पर संदेह हुआ. जब अधिकारियों ने उन्हें रोका और तलाशी ली, तो उनके पास से 1.114 किलोग्राम हाइब्रिड गांजा मिला. पुलिस का कहना है कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान 24 वर्षीय उपेन्द्रसिंह उर्फ गोली और 34 वर्षीय विशाल के रूप में हुई है. दोनों ही ठाणे के आसपास सक्रिय थे और नशे के कारोबार से जुड़े थे. फिलहाल, पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि उन्होंने यह गांजा कहां से खरीदा था और इसे आगे किसे बेचना था. पुलिस लगातार इस पर नजर बनाए हुए है.दोनों आरोपियों के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है. पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि यह तस्करी का नेटवर्क कितना बड़ा है और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं.

आज का राशिफल

मेष – आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आपको बेवजह किसी बातों को लेकर गुस्सा करने से बचना होगा।

वृषभ – आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको काम अधिक रहने के कारण आप अपनी सेहत के साथ लापरवाही कर सकते हैं।

मिथुन – आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। आप अपने बिजनेस में कुछ नई योजनाओं को लेकर बातचीत करेंगे।

कर्क – आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा। आपको अपनी सेहत पर भी पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है।

सिंह – आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं।

कन्या – आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। आप भावनाओं में बहकर कोई गलती ना करें,

तुला – आज का दिन आपके लिए समस्याओं से निजात दिलाने वाला रहेगा। आपके व्यवसाय में लंबे समय से यदि कुछ समस्या चली आ रही थी

वृश्चिक – आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। व्यवसाय कर रहे लोगों को कोई बड़ा ऑर्डर मिल सकता है।

धनु – आज का दिन आपके लिए धैर्य और साहस से काम लेने के लिए रहेगा। आप अपनी वाणी की सौम्यता बनाए रखे,

मकर – आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आने वाला है। भाई बहनों से आप यदि कोई मदद मांगेंगे,

कुंभ – आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान को बढ़ाने वाला रहेगा। आप परिवार में यदि किसी सदस्य को कोई सुझाव देंगे,

मीन – आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप अपने कामों को मौज-मस्ती के मूड में करेंगे।

आदित्य ठाकरे ने केजरीवाल से की मुलाकात

निर्वाचन आयोग के मुद्दे पर की खास बातचीत

मुंबई.

दिल्ली विधानसभा में आम आदमी पार्टी की बड़ी हार के बाद अरविंद केजरीवाल से मिलने आदित्य ठाकरे आज दिल्ली पहुंचे। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता आदित्य ठाकरे ने आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल से "दोस्त होने के नाते" गुरुवार को मुलाकात की। आदित्य ठाकरे ने "चुनाव संबंधी अनियमितताओं" पर भी चिंता जताई। उन्होंने अरविंद केजरीवाल से मुलाकात के बाद कहा, "सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन रिश्ते बरकरार रहते हैं। हमने दोस्त होने के नाते केजरीवाल से मुलाकात की।

हालांकि, हमारा लोकतंत्र स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं है। चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं हैं। आदित्य ठाकरे के साथ शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेताओं संजय राउत एवं प्रियंका चतुर्वेदी समेत कई अन्य नेता मौजूद थे। उन्होंने दिल्ली में हुए हालिया विधानसभा चुनाव और विपक्षी 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन के भविष्य पर भी चर्चा की। भारतीय जनता पार्टी 5 फरवरी को हुए विधानसभा चुनाव में दिल्ली की 70 विधानसभा सीट में से 48 सीट जीतकर सत्ता में आई और 'आप' को 22 सीट पर जीत मिली। कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और 'आप' 'इंडिया' के घटक हैं, जिसका गठन पिछले साल के लोकसभा चुनावों से पहले हुआ था।

मतदान में हेराफेरी का लगाया आरोप

आदित्य ठाकरे ने निर्वाचन आयोग (ईसी) पर महाराष्ट्र, हरियाणा, ओडिशा और दिल्ली सहित कई राज्यों में मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर हेराफेरी करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "निर्वाचन आयोग ने लोगों से वोट देने का अधिकार छीन लिया है। वह इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए भी तैयार नहीं है।" उन्होंने कहा कि विपक्ष इस मामले को औपचारिक रूप से उठाएगा। ठाकरे ने इस बात पर जोर दिया कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव "देश के लिए आवश्यक हैं।

सेना में नौकरी के नाम पर दो लोगों से ठगे 4.8 लाख

मुंबई. सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी के मामले रोजाना आम होते जा रहे हैं. हाल में 4.8 लाख रुपये की ठगी करने वाले ऐसे ही एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है. पुणे पुलिस ने बुधवार को मिलिट्री इंटेलिजेंस के साथ एक संयुक्त अभियान में, सेना में नौकरी देने का वादा करके दो व्यक्तियों से 4.8 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में एक शख्स को गिरफ्तार किया. आरोपी ने लोगों को एज क्राइटेरिया पूरा न करने के बावजूद नौकरी दिलवाने का वादा किया था.

PUBLIC NOTICE
Pro. No. 1047 Dt. 24/01/25
IN THE COURT OF 3rd JOINT CIVIL JUDGE JUNIOR DIVISION, NAGPUR. Room No. 104
M.J.C. Case No. 882/2024
Fixed For 06/03/2025

Applicant : 1) Mangala Rajshingh Verma, R/o Plot No. 125, Misal Layout, Jaripatka, Nagpur, **2) Kiran Mahesh Rathi,** R/o Plot No. 44, Ramana Maroti Road, Nandanwan, Nagpur. **--Versus--**

Non-Applicants : Nil

Name of Deceased: 1) Ambikaprasad Thakur, Died On 22/08/2001, R/o Plot No. 125, Misal Layout, Jaripatka, Nagpur.

Whereas **Ambikaprasad Thakur, Died On 22/08/2001,** R/o Plot No. 125, Misal Layout, Jaripatka, Nagpur and Whereas **Mangala Rajshingh Verma & Oth.** has presented an application to this Court for grant of **Legal Heir Certificate Under the Bombay Regulation Act 1827.**

This is to give notice to all persons who may dispute the right of the said Applicants **Mangala Rajshingh Verma & Oth.** as Legal Heir of the deceased to appear in the Court of **3rd Joint Civil Judge Junior Division, Nagpur** on **6th Day of March, 2025** at 10.30 A.M. there to enter their objections and it is hereby declared that if no sufficient objections is offered on or before the date mentioned above, the Court will forthwith proceed to receive proof of the said Applicants right and to grant them, provided they shall appear entitled thereto a Certificate of Legal Heir of the said deceased.

Given under my hand and the seal of the court, that **24th day of Jan., 2025.**

Seal
By order of the Court
Asstt. Supdt. (T.W.)
Civil Judge Sr. Dn. Nagpur.

Prasanna Publicity 09326927622

डिनर डिप्लोमैसी से महाराष्ट्र में बढ़ी सियासी हलचल

> क्या टूट जाएगी उद्धव की शिवसेना

नई दिल्ली.

महाराष्ट्र में सियासी हलचल काफी बढ़ चुकी है। सबसे बड़ा संकट उद्धव ठाकरे की शिवसेना के सामने है। दिल्ली की डिनर डिप्लेमैसी ने उद्धव ठाकरे की चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस बीच शिवसेना यूबीटी के नेता आदित्य ठाकरे ने आज राहुल गांधी से मुलाकात की।

शरद पवार द्वारा एकनाथ शिंदे को 'महादजी शिंदे राष्ट्र गौरव पुरस्कार' से सम्मानित किए जाने के बाद से महाराष्ट्र में विपक्षी दलों के गठबंधन एमवीए में उथल-पुथल मची हुई है। वहीं दिल्ली में चल रही डिनर डिप्लोमैसी से यह संकेत मिल रहा है कि उद्धव की शिवसेना में अंदरखाने कुछ न कुछ जरूर चल रहा है और

पार्टी में फूट पड़ सकती है। शिंदे गुट के नेता पहले ही ऑपरेशन टाइगर का ऐलान कर चुके हैं। फडणवीस सरकार में मंत्री और एकनाथ शिंदे गुट के उदय सामंत का दावा है कि धीरे-धीरे सामने आ रहे हैं और कुछ लोग अभी छिप रहे हैं। लेकिन समय आने पर वे हमारे साथ आएंगे।

डिनर डिप्लोमैसी

१. तीन दिन पहले उद्धव ठाकरे गूट के हिंगोली से सांसद नागेश पाटिल अष्टिकर की डिनर पार्टी में शिंदे गुट के नरेश महस्के और श्रीरंग बारने मौजूद रहे
२. वही केंद्रीय राज्यमंत्री और एकनाथ शिन्दे गूट के नेता प्रताप जाधव के डिनर पार्टी में उद्धव ठाकरे के सांसद नागेश पाटिल अष्टिकर, भाऊ साहब वाक चौरे और संजय जाधव मौजूद रहे
३. वही परसों एकनाथ शिंदे का दिल्ली में शरद पवार के हाथों सम्मान किया गया था। इस समारोह में मुंबई से उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय पाटिल भी मौजूद रहे।
४. डिनर डोप्लिमसी और सांसदों के शिंदे के कार्यक्रम में उपस्थिति पर आदित्य ठाकरे ने कहा कि वह किस किए गए वही बता सकते पर शरद पवार से भी मिलने गये हो सकते है
५. वही शिंदे गुट के नेता और मंत्री उदय सामंत ने कहा कि कुछ लोग एकनाथ शिन्दे के संपर्क में कुछ धीरे धीरे सामने आ रहे तो कुछ अभी भी छिप रहे सही समय पर हमारे साथ आयेंगे
६. वहीं जो सांसद शिन्दे गुट के नेताओ के कार्यक्रम में मौजूद रहे उन्होंने कहा हम में से कोई कहीं नहीं जाएगा, हम उद्धव ठाकरे के साथ रहेंगे ।

हिंदुओं से कराओ काम, लिखे श्रमिकों के नाम

> भोपाल में लगे विवादित पोस्टर पर बवाल

भोपाल.

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक पोस्टर चर्चा में बना हुआ है. यह विवादित पोस्टर भोपाल के जहांगीराबाद चौराहे पर लगाया गया है. महिला जागौरी समिति की ओर से लगे पोस्टर में सिर्फ हिंदुओं से काम कराने की बात कही गई है. इसके साथ ही काम करने वाले हिंदू श्रमकों के नाम और मोबाइल नंबर भी पोस्टर में लिखे गए हैं. साथ ही लोगों से अपील की गई है कि जो लोग काम कराना चाहते हैं वे इन नंबरों पर कॉल करें और हिंदुओं से काम कराएं.

पोस्टर लगाने पर महिला जगोरी समिति की अध्यक्ष साधना नंदू यादव ने कहा कि वह हिन्दू धर्म से है, इसलिए अपने समाज की चिंता है. उन्होंने कहा है कि समाज के लोगों को काम नहीं मिलता है. उनके काम मिल सके, इसलिए यह पोस्टर लगाया गया है. उनका यह भी कहना है कि कोई दूसरे धर्म के लोगों से काम कराए तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है.

भोपाल गंगा-जमुनी तहजीब का शहर : भोपाल के जहांगीरबाद चौराहे पर लगे इस पोस्टर का विरोध भी हो रहा है. विवादित पोस्टर को लेकर मुस्लिम समाज के लोगों ने आपत्ति जताई है. उनका कहना है कि भोपाल गंगा-जमुनी तहजीब का शहर है. यहां हिंदू-मुस्लिम, सिख-इसाई सब आपस में मिलकर रहते हैं. ऐसे पोस्टर लगाकर लोगों को बांटने की कोशिश की जा रही है. यह समाजों के बीच खाई बनाने के प्रयास है. उन्होंने प्रशासन से ऐसे विवादित पोस्टरों की हटाए जाने और कार्रवाई की मांग की है.

इनके लिखे हैं नाम : चौराहे पर लगाए गए पोस्टर में पेंटर, मैकेनिक, हेयर कटिंग सैलून वाले, हलवाई, टेलर, कारपेंटर, प्लंबर, मशीन मैकेनिक, शटरिंग कारीगर, फल सब्जी विक्रेता, इलेक्ट्रीशियन, लेडीज-जेंट्स टेलर, ड्राइवर, जिम ट्रेनर और योग टीचर जैसे अन्य काम करने वाले लोगों के नंबर है. पोस्टर में साइट में सनातन हिंदू श्रम साधक, केवल हिंदु बंधुओं के नाम, उनके काम ओर मोबाइल नंबर, आवश्यक कार्य के लिए अपने बंधुओं से संपर्क करें आदि लिखा हुआ है.

बिहार में भी एनडीए की जीत होगी : चिराग पासवान

पटना.

दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली प्रचंड जीत के बाद भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन काफा उत्साह में हैं। अब देश में अगला चुनाव इस साल के आखिर में बिहार में होने जा रहा है। इस चुनाव में भी जीत को लेकर एनडीए के दल काफी आश्वस्त नजर आ रहे हैं। इसी क्रम में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि बिहार विधानसभा चुनाव में जीत का दावा करते हुए ये भविष्यवाणी भी कर दी है कि एनडीए गठबंधन चुनाव में कितनी सीटें जीतेगा।

बिहार में भी दिल्ली जैसा परिणाम आएगा- चिराग : चिराग पासवान ने कहा कि एनडीए ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में जो नतीजे देखे उससे हम नैतिक रूप से अभिभूत हैं। हम हाई नोड पर चार्ज्ड अप होकर बिहार चुनाव के लिए जा रहे हैं।

दिल्ली में एनडीए को जिस तरह की जीत मिली है। 27 साल बाद दिल्ली में एनडीए की सरकार बनी है। जिस तरह से दिल्ली, हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव परिणाम रहे हैं बिहार में ऐसा ही परिणाम देखने को मिलेगा।

225 से ज्यादा सीटें जीतेंगे- चिराग : चिराग पासवान ने आगे ये भी बताया कि बिहार विधानसभा चुनाव में NDA कितनी सीटें जीतेगी। चिराग ने कहा- "बिहार में हमारा गठबंधन मजबूत है और 5 पार्टियों भाजपा, जदयू, लोजपा (रामविलास), जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के बीच जीत का कॉम्बिनेशन है। मैं लगातार बिहार की यात्रा कर रहा हूं। हम बिहार विधानसभा चुनाव में 225 से ज्यादा सीटें जीतकर सरकार बनाएंगे। एनडीए के अन्य दलों को भी यही भरोसा है।"

महिला ने एक साथ दिया चार बच्चों को जन्म

अजमेर.

राजस्थान के अजमेर में एक महिला ने एक साथ 4 बच्चों को जन्म दिया. ये केस देखकर खुद डॉक्टर्स भी हैरान रह गए. ऐसा बहुत कम देखने को मिलता है. अक्सर हम जुड़वा बच्चों के बारे में सुनते हैं, लेकिन अजमेर के ब्यावर में दो नहीं बल्कि चार बच्चों को एक महिला ने एक साथ जन्म दिया. मामले में अच्छी बात ये है कि चारों ही बच्चे स्वस्थ हैं.महिला की डिलीवरी के बाद जब चार बच्चों का उनके परिजनों को बताया गया तो वह भी हैरान रह गए. हालांकि डॉक्टरों ने मामले को अच्छे से संभाला था. इसी का ही नतीजा है कि सभी चारों बच्चों की हालात एक दम अच्छी है. ये मामला 10 जनवरी का है, जब राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय में महिला ने चार बच्चों को जन्म दिया.

डिलीवरी से एक महीने पहले जन्म: चारों बच्चों का जन्म डिलीवरी के समय से पहले हुआ था. महिला ने डिलीवरी से एक महीने ही इन बच्चों को जन्म दिया था. उस वक्त सभी बच्चों की हालात नाजुक थी. सभी का वजन भी बहुत कम था. एक का वजन 1.5, दूसरे का 1.3, तीसरे का 1.2 और चौथे का 1.1 किलो वजन था. वजन कम होने की वजह से उनकी जान को भी खतरा था. इसलिए डॉक्टरों की टीम ने डिलीवरी के बाद बच्चों को स्पेशल न्यूबोर्न केयर यूनिट (SNCU)में डॉक्टर की देखरेख में तुरंत भर्ती किया था.

धीरे-धीरे बच्चों की हालत में सुधार : प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉक्टर प्रदीप चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि शुरुआत में बच्चों को ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया. इसके बाद बाद हॉस्पिटल के लैक्टेशनल मैनेजमेंट सेंटर (CLMC) से बच्चों को फीडिंग कराई गई. इसके बाद धीरे-धीरे बच्चों की हालत में सुधार होता गया और बच्चों ने खुद से सांस लेना शुरू की. साथ ही उनके वजन में भी सुधार आया.

हॉस्पिटल से डिस्चार्ज किया गया : पहले और चौथे नंबर के बच्चे ने अपने जन्म के तीन दिन बाद दूसरे ने 5 दिन और तीसरे शिशु ने 6 दिन बाद सामान्य स्तनपान शुरू कर किया. इसके बाद फिर बच्चों में और सुधार होता गया. एक महीने चारों बच्चों की हॉस्पिटल में ही देखभाल की गई और इसके बाद सभी की छुट्टी कर दी गई. जब बच्चों को हॉस्पिटल से डिस्चार्ज किया गया, तो उनके वजन भी बढ़ गए थे. एक की 1.56 किलो, दूसरे का 1.38 किलो, तीसरे का 1.3 किलो व चौथे का वजन 1.9 किलो है और उनकी मां का स्वास्थ्य भी बेहतर है.

बेतुका और पूरी तरह से अस्वीकार्य : रेखा शर्मा

रायपूर.

हाल ही में छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट द्वारा एक अहम निर्णय लिया गया, जिसके अनुसार पति द्वारा अपनी पत्नी के साथ सहमति के बिना किसी भी प्रकार के यौन संबंध बनाना दुष्कर्म के दायरे में नहीं आता। इस फैसले ने देशभर में बहस छेड़ दी है और राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रेखा शर्मा ने इस फैसले की कड़ी आलोचना की है।

फैसले को बताया बेतुका : रेखा शर्मा ने इस फैसले को "बेतुका और पूरी तरह से अस्वीकार्य" करार देते हुए सुप्रीम कोर्ट से इस पर ध्यान देने की अपील की। शर्मा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "बेतुका और पूरी तरह से अस्वीकार्य। सुप्रीम कोर्ट को इस फैसले पर हाई कोर्ट को फटकार लगानी चाहिए।" इसके अलावा, उन्होंने

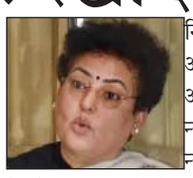

निचली अदालतों और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों से लैंगिक मामलों के प्रति अधिक संवेदनशील होने का आग्रह भी किया। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा कि अगर पत्नी की सहमति के बिना पति द्वारा यौन संबंध बनाए जाते हैं, तो यह दुष्कर्म नहीं माना जा सकता। न्यायालय ने आरोपी पति को भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (हत्या), 376 (दुष्कर्म) और 377 (अप्राकृतिक यौन संबंध) के तहत लगाए गए आरोपों से बरी करते हुए उसे तत्काल जेल से रिहा करने का आदेश दिया। इस फैसले के बाद कई महिला अधिकार संगठनों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

स्कूटी से जा रहे स्कूल प्रिंसिपल पर बम से हमला, मौके पर मौत

देवघर.

झारखंड के देवघर जिले में एक माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक की अज्ञात आरोपियों ने बम मारकर हत्या कर दी। घटना गुरुवार सुबह हुई, जब प्रधानाचार्य अपनी स्कूटी से कुछ सामान लेने जा रहे थे। रास्ते में अज्ञात व्यक्तियों ने उन पर बम से हमला कर दिया, जिसमें उनकी मौत हो गई। उप-मंडल पुलिस अधिकारी (मधुरपुर) सत्येंद्र प्रसाद ने बताया कि महुआडाबर माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक संजय कुमार दास स्कूल से किसी काम के लिए दोपहिया वाहन पर जा रहे थे, तभी अज्ञात व्यक्तियों ने उन पर बम फेंका। उन्होंने कहा कि दास को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित

कर दिया। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। उन्होंने बताया कि हमले का कारण और हमलावरों की संख्या अभी पता नहीं चल पाई है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने अपराधियों की तलाश शुरू कर दी है।

जमीन विवाद में हत्या की आशंका : मृतक के परिजनों का कहना है कि जमीन विवाद के चलते हत्या की आशंका है। हमला स्कूल के पास ही हुआ है। जानकारी के अनुसार एसडीएम का सामान लेने के लिए प्राचार्य स्कूल से निकले थे। लगभग 100 मीटर की दूरी पर दो लोग घात लगाकर बैठे थे। प्रिंसिपल भेड़वा नवाडीह की तरफ जा रहे थे। इसी बीच उन पर हमला हो गया और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी पैदल ही मौके से भाग गए।

गांव में पुलिस बल मौजूद : स्कूल प्रिंसिपल पर बम से हमले के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव में ही पुलिस की टीम कैंप कर रही है।

बड़े अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और आरोपियों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। मृतक स्कूल प्रिंसिपल की पत्नी पहले जिला परिषद सदस्य रह चुकी हैं। हालांकि, फिलहाल वह भी स्कूल में ही पढ़ाती हैं। अब तक हत्या की असली वजह का खुलासा नहीं हुआ है।

जर्मनी के इस शहर में भीड़ में घुसी कार, 20 लोगों को कुचला

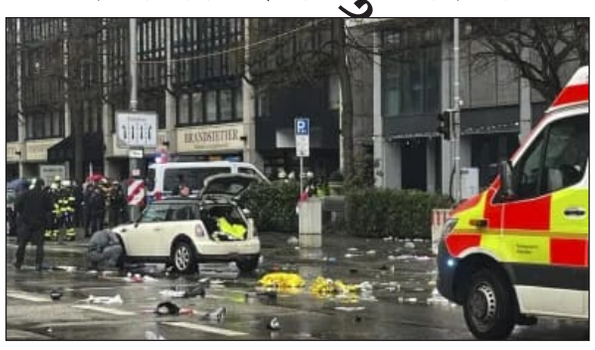

म्युनिख.

यूरोपियाई देश जर्मनी से एक दिल दहला देने वाली घटना की खबर सामने आ रही है। देश के प्रसिद्ध शहर म्युनिख में गुरुवार को एक कार भीड़ में घुस गई और लोगों को कुचल डाला। जानकारी के मुताबिक, इस घटना में कम से कम 20 लोग घायल हो गए हैं। घायलों में बच्चे भी शामिल हैं। जर्मन पुलिस ने इस घटना के बारे में जानकारी दी है बताया है कि इस घटना में चालक 'बच गया है और अब उसे कोई खतरा नहीं है।

जर्मन अधिकारियों के हवाले से बताया है कि गुरुवार को म्यूनिख में एक ड्राइवर ने लोगों पर कार चढ़ा दी। इस हादसे में बच्चों समेत करीब 20 लोग घायल हो गए हैं। ये घटना सुबह 10:30 बजे के करीब म्यूनिख शहर के पास एक चौराहे पर हुई थी। अब तक ये स्पष्ट नहीं हो सका है कि क्या ड्राइवर ने लोगों को जानबूझकर कार से टक्कर मारी थी या नहीं। पुलिस ने बताया है कि ड्राइवर घटनास्थल पर सुरक्षित है और अब उसे कोई खतरा नहीं है।

दो घायलों की हालत गंभीर : घटना की जो तस्वीर सामने आई है उसमें जूतों सहित मलबे के साथ एक क्षतिग्रस्त कार देखी जा सकती है। पुलिस ने बताया है कि घटना में घायल हुए करीब 20 लोगों की देखभाल की जा रही है। इनमें से दो लोगों की हालत काफी गंभीर है। क्षेत्र के मेयर ने कहा है कि वह इस घटना से गहरे सदमे में हैं। उन्होंने बताया है कि घायलों में बच्चे भी शामिल हैं।

ट्रंप और पुतिन के बीच हुई 'लंबी' बातचीत

> अब रुक जाएगी रूस-यूक्रेन के बीच जारी जंग?

वॉशिंगटन.

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन से फोन पर सीधे बात की है। ट्रंप ने कहा कि बातचीत के दौरान यूक्रेन में चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत शुरू करने पर सहमति जताई गई है। ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने पुतिन के साथ 'लंबी और बहुत ही प्रोडक्टिव फोन कॉल' की और दोनों ने यह तय किया कि उनकी टीमें तुरंत बातचीत शुरू करेंगी। माना जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत 3 साल से चल रहे युद्ध को समाप्ति की ओर धकेलने में अहम साबित होगी।

अमेरिका आएंगे पुतिन, रूस जाएंगे ट्रंप

ट्रंप ने यह भी बताया कि वे और पुतिन एक-दूसरे के देशों की यात्रा करने पर सहमत हुए हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'जैसा कि हम दोनों ने सहमति जताई, हम रूस-यूक्रेन युद्ध में हो रही लाखों मौतों को रोकना चाहते हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने मेरे मजबूत चुनावी नारे 'कॉमन सेंस' का भी इस्तेमाल

किया। हम दोनों इस पर विश्वास करते हैं और हम बहुत ही करीबी से मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं, जिसमें एक-दूसरे के देशों की यात्रा भी शामिल है।'

जेलेंस्की से भी बात करने पर हुई चर्चा

अमेरिकी वार्ता टीम में विदेश मंत्री मार्को रुबियो, सीआईए के निदेशक जॉन रैटक्लिफ, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज और राजदूत एवं विशेष दूत स्टीव विटकोफ शामिल होंगे। बताया जा रहा है कि 3 साल में यह पहला ऐसा मौका है जब रूस से यूक्रेन के बारे में बात की गई है और यूक्रेन का कोई भी प्रतिनिधि बातचीत के दौरान मौजूद नहीं रहा। हालांकि ट्रंप और पुतिन के बीच जेलेंस्की से भी बात करने पर चर्चा हुई है। वहीं, दोनों नेताओं ने मिडिल-ईस्ट के मुद्दे पर भी बात की।

बातचीत पर सामने आया रूस का बयान : दोनों नेताओं के बीच बातचीत पर रूस का बयान भी आ गया है। रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय क्रेमलिन ने कहा है कि राष्ट्रपति पुतिन और ट्रंप के बीच हुई फोन कॉल के दौरान दोनों नेताओं ने इस पर सहमति जताई कि 'हमारे देशों को एक साथ काम करने का समय आ गया है।' क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि पुतिन ने ट्रंप को मॉस्को यात्रा का निमंत्रण दिया। पेसकोव ने कहा, 'यूक्रेन संकट के समाधान पर भी चर्चा की गई। राष्ट्रपति ट्रंप ने युद्धविराम की तत्काल आवश्यकता और समस्याओं के शांतिपूर्ण समाधान की वकालत की।'

बांग्लादेश हिंसा के दौरान हुई थी 1400 लोगों की मौत

जिनेवा.

बांग्लादेश हिंसा के दौरान कम से कम 1400 लोग मारे गए थे। यह चौंकाने वाली रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने बुधवार को जारी की है। यूएन ने कहा कि बांग्लादेश में पिछले साल गर्मियों में छह सप्ताह के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ छात्रों के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों पर की गई कार्रवाई में 1,400 से अधिक लोगों की मौत होने की आशंका है। जिनेवा स्थित कार्यालय ने एक नयी रिपोर्ट में कहा है कि सुरक्षा और खुफिया सेवाएं "व्यवस्थित रूप से" अधिकारों के उल्लंघन में संलिप्त हैं, जो मानवता के खिलाफ अपराध हो सकते हैं और इनकी

जांच की आवश्यकता है। मानवाधिकार कार्यालय ने "विभिन्न विश्वसनीय स्रोतों" का हवाला देते हुए कहा कि एक जुलाई से 15 अगस्त के बीच हुए प्रदर्शनों में 1,400 से अधिक लोगों के मारे जाने और हजारों लोगों के घायल होने की आशंका है।

बिहार चुनाव में नीतीश कुमार ही होंगे एनडीए का चेहरा

>बीजेपी ने कर दिया साफ

पटना.

बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार की अगुवाई में भाजपा प्रस्तावित विधानसभा चुनाव लड़ेगी. नीतीश कुमार ही एनडीए का चेहरा होंगे. बीजेपी के आला सूत्रों के अनुसार विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लड़ी जाएगी. फिलहाल बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार चल रही है. और अब चुनाव से पहले बिहार में भाजपा नेतृत्व ने भी साफ कर दिया था कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही पार्टी चुनाव लड़ेगी. बता दें कि पहले नीतीश कुमार ने आरजेडी से मिलकर सरकार बनाई थी, लेकिन बाद में नीतीश कुमार भाजपा के साथ आ गए. राजद फिलहाल विधानसभा में विपक्ष

की भूमिका निभा रही है. बता दें की नीतीश कुमार का पाला बदलने का इतिहास रहा है और अब तक उन्होंने ऐसा चार बार किया है. ऐसे में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर बीजेपी कोई भी रिस्क नहीं लेना चाहती है और चुनाव से बहुत पहले ही साफ कर दिया है कि नीतीश कुमार ही एनडीए का चेहरा होंगे.

नीतीश कुमार का पाला बदलने का रहा है इतिहास : नीतीश कुमार ने पहली बार 2013 में भाजपा के साथ 17 साल पुराना गठबंधन तोड़कर पाला बदला था. साल 2015 में उन्होंने राजद के साथ गठबंधन करके विधानसभा चुनाव लड़ा था. हालांकि, राजद के तेजस्वी यादव पर भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद उन्होंने 2017 में गठबंधन तोड़ दिया और भाजपा में वापस आ गए.

नीतीश ने बिहार में शुरू की है प्रगति यात्रा : इस बीच नीतीश कुमार ने बिहार में प्रगति यात्रा शुरू की है और वो राज्य के विभिन्न जिलों का दौरा कर रहे हैं. दौरे के दौरान विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कर रहे हैं. साथ ही जिले की विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं. बैठक में योजनाओं के क्रियान्वयन एवं संबंधित समस्याओं होती है.

बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा भी अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं रखी जाती है और सभी समस्याओं के यथाशीघ्र समाधान हेतु अधिकारियों को निर्देश जा रहे हैं.

नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा को चुनाव से पहले उनका जनसंपर्क अभियान माना जा रहा है. इसके साथ ही इस यात्रा के माध्यम से वह जनता के पास जा रहे हैं और उनकी समस्याओं को सुन रहे हैं और उनके समाधान के निर्देश दे रहे हैं.

जम्मू-कश्मीर में शराब पर बैन की मांग...

> विधानसभा में सबमिट किए गए प्राइवेट बिल

श्रीनगर.

बिहार के बाद अब जम्मू-कश्मीर में शराब पर बैन लगाने की मांग उठी है. पार्टी लाइन से हटकर जम्मू-कश्मीर के विधायकों ने केंद्रशासित प्रदेश में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के लिए अलग-अलग प्राइवेट बिल सबमिट किए. इस विधेयक में केंद्र शासित प्रदेश में शराब के विज्ञापन, बिक्री, खरीद, उपभोग और निर्माण पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है. भाजपा ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया है.

जम्मू-कश्मीर के विधायकों ने पार्टी लाइन से हटकर 3 मार्च से शुरू होने वाले आगामी विधानसभा सत्र

के लिए निजी सदस्य विधेयक जमा किया, जिसमें केंद्र शासित प्रदेश में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है. विपक्षी भाजपा ने भी समर्थन देते हुए विधेयकों का समर्थन किया है.

बजट सत्र से पहले, नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी), पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) के तीन विधायकों ने जम्मू-कश्मीर में शराब पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए निजी विधेयक जमा किया. विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े तीन विधायकों ने शराब की दुकानों को बंद करने और शराब की बिक्री और सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए निजी विधेयक जमा किए.

शराब पर बैन के लिए इन विधायकों ने सबमिट किए विधेयक : एनसी की ओर से लाल चौक से विधायक अहसान परदेसी ने निजी विधेयक जमा किया गया. कुपवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के पीडीपी विधायक मीर मोहम्मद फैयाज ने भी शराब प्रतिबंध पर निजी विधेयक जमा किया है, जबकि लंगेट से एआईपी विधायक शेख खुर्शीद अहमद ने भी इस संबंध में निजी विधेयक जमा किया है.

इस बीच भाजपा नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री निर्मल सिंह ने पूरे केंद्र शासित प्रदेश में शराब पर प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से किसी भी कानून का समर्थन किया है.